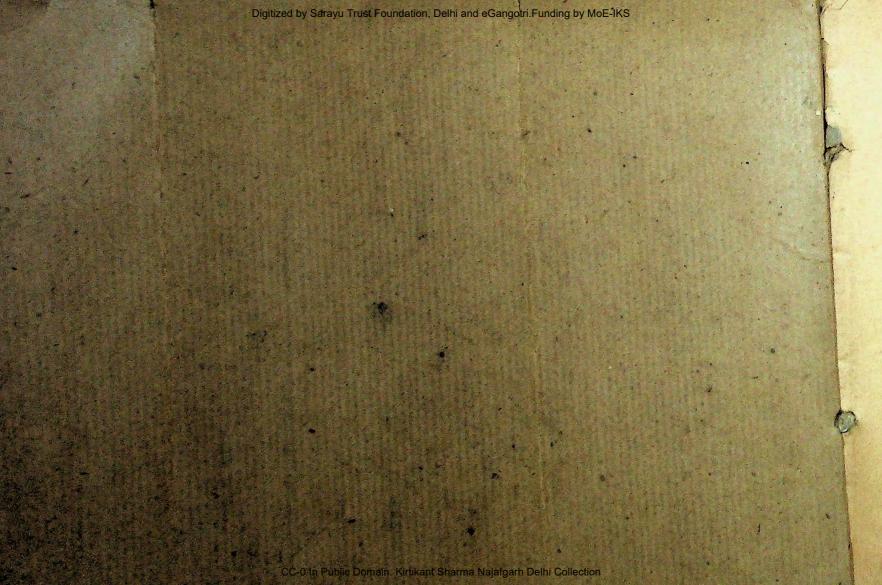
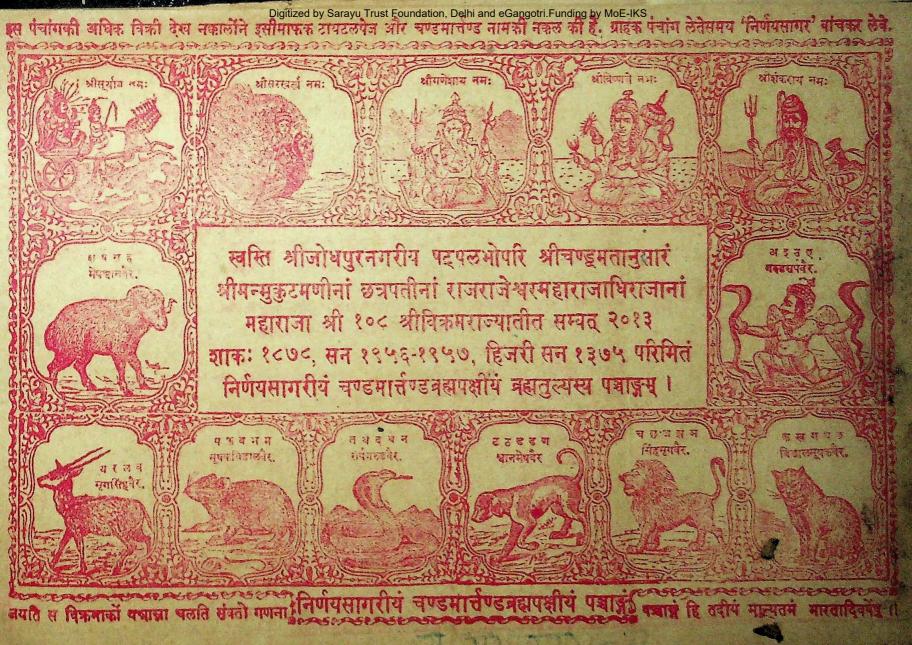
Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotti Funding by MoE-IKS प्रेमदत्त शर्मा शास्त्री

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection





स॰ पं॰ भवानीशंकरधर्मा राजन्योतिषी



विज्ञापना

प्रिय प्राह्क सहाराय ! स्टिर्स्वनाके सायही प्रखदेवने मनुष्योंके [िटये धर्मादिव्यवस्था वर्णन की उस वर्णित अंथका वाय "वेद" है और वेदोन्त धर्मही मनुष्योंको कर्तव्य है. वेदमें धर्मादि साधनके ठिये काठ (समय) का कथन किया और उस समयको बतलानेके ठि. उसी प्रक्षादेवने वेदांग (ज्योतिषशास) को निर्माण किया । ज्योतिषशास सिद्धांत, संहिता, होरा, नामक ३ स्क्षांत्रें वर्णित है, ्ं काल्ज्ञान सिद्धांतसे होता है. सिद्धांतके बहुधा अंथ हैं, उन अंथोंकी छायासे देवज्ञोंने विविध करणअंथ निर्माण किये । करणअंथों "करणकुत्ह्र्ल" नाम अंथ है. यह प्रक्षसिद्धांतकी छायासे कि १२०५ में श्रीमद्धांतकराचार्य देवज्ञने बनाया, उसीसे श्रीयृत सान्यवर ५० श्रीचण्डुत्योतिषी जोधपुरनिवासीने जोधपुरके ६ परुत्य के चण्डुपंचांग अथवा प्रखपकीय पंचांग किंग, इस कारणसे जो काल्दर्शक (पंचांग) उक्तसारिणीसे निर्मित होता है उसका नाम खनेका बनानेवालेको अधिकार होता है । और जोधपुरके पल्यापर पंचांग उत्तानोति जोधपुरका पंचांग यह नाम खनेका बनानेवालेको अधिकार होता है जैसे की ग्रहलाधवसे बनानेवाले 'ग्रहलाखवी' मकरंदसे बनानेवाले 'मकरंदी' अथवा काशीके पल्यापर पंचांग बनानेवाले 'क्राहलाखवी' मकरंदसे बनानेवाले 'मकरंदी' अथवा काशीके पल्यापर पंचांग बनानेवाले 'क्राहलाखवी' मकरंदसे बनानेवाले 'मकरंदी' अथवा काशीके पल्यापर पंचांग कर्ताको नाम रखनेका अधिकार संवंसिद्ध है तदनुसार इसका 'जोधपुरी पंचांग' नाम है और ग्रद्धताके कारण इसका अत्यादरसह प्रचार है । जोधपुर आर्यावर्त्तमेंही क्या वरन् सीलोन ब्रह्माआदि अन्य देशोंमेंभी माननीय समझा जाता है । इसमें संवत्सरफल, बातचक, वर्धवर्षशक्त चक्र, विवाहल्यग्रहित प्रत्तसहित दिनदशाचक, ग्रहगोचर, मकरसंकान्तिग्रहि, शनिचार, ग्रहचर, इस्तरेखा

बादि जो ब्रह्मसीय पंचांगमें विषय रहते हैं वह हमनेमी रसखे हैं। जो विषय हमने बढाये हैं उनके नाम यह है—संख्त और भाषामें ठणानयनविधि, इसके अवलोक्तमात्रण साधारण सहस्यको ठ्यानयन आजाता है वर्णवस्यादि २६ गुणोंकी सरल सारिणी है उससे गुणानयनप्रकारका ज्ञान होता है और सम्पूर्ण हादशमासोंका फल, हादशसंक्रान्तिओंका फल, हस्तरेखा (मासुद्रिक) माषाटीकासहित जिससे प्रतिपुरुषको आश्रय ठट्य हो. निल्पप्रतिदिनके स्थाँदय सूर्णास्तकालके घंटामिनिटमी लिखे हैं. किसी पुरुषकी या सीकी केवल कुंडली देखकर उसपरणे सम्बत्, शाक, मास, पक्ष, तिथि जाननेकी विधिक क्षोक भाषाटीकासहित दिये हैं. सप्तवारादि कार्याकार्यविचार, जन्मपत्रोपयोगी पहूर्ण, अष्टवर्ग, मह अवस्था, निसर्ग तात्काल और पंचधा भेकी सारिणी, विशोत्तरी-योगिनी दशानयनमारिणी, समस्त सारिणी मुद्रित हैं. गर्भवती स्त्रीको पुत्र होगा या पुत्री, कुण्डलीकी परीक्षा मृतककी है या जीवंतकी, कुण्डली सीकी है यहा सम्बत्ती, वर्ष होनेका ज्ञान, रोगोंक मरणजीवनका विचार, कुंडलीपरसे विवाह होनेका ज्ञान अर्थात् किस अवस्थामें विवाह होगा, पुरुषका मृत्यु पहिले होगा यहा सीका, उदाहरणसहित कृतसे विषय माषाटीकासहित लिखे हैं। यह पंचांग ज्योतिषशासके पूर्ण ममंत्र प्रतिद्वान स्वर्गीय पंडित मवानीशंकरशर्मा इनके गणितपहात उनके सुपुत्र ज्यो० रविशंकर शर्मा वीक लिखे अनुसार जनके छुपा है. हरेक व्यक्तिक उपयोगी विषयसंपन्न इस पंचांगका नाम "निर्णयसागरीय चण्डमार्चण्डअहापक्षीय पंचांग" है. इसके मिलनेका वीचे लिखे अनुसार जनना

म्यानेजरः-निर्णयसागर प्रेस, कालवादेवी रोड, वम्बई.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ स्विन् भीकेसरिहन्दसाहनशाहजीश्रीदिद्वीपतिजी ॥ स्वित्त श्रीजोधपुरनगरे श्रीमन्मुकुटमणिछत्रपतिराजराजेश्वरमहाराजाधिराजमहाराजाजीश्रीश्री १०८ श्रीउम्मेदर्सिहजीमहाराजा श्री १०८ हनुमत्सिहजीमहाराजाकुमारश्री गजेन्द्रमिहजी येपां विजयराज्ये ज्योतिः चण्ड्र ब्रह्मतुल्यमादरणीयम् ॥ १७२८०००
हतयुगममाणम् १२९६००० श्रेतायुगममाणम् ८६८००० द्वापरयुगममाणम् १३२००० कित्युगममाणम् । तन्मध्ये गतकिः ५०५७ मोन्यकिः ४२६९४३ अथासिन् वर्षे
राजा बुधः १ संत्री गुदः २ सस्याधिपतिः सूर्यः ३ धान्येशः श्रातिः ४ मेधेशो गुदः ५ रसेशो मौमः ६ नीरसेशः सूर्यः ७ फलेशो वृधः ८ धनेशः सूर्यः ९ दुनैशो गुदः
१० पते दशाधिकारिणः । वर्षनाम माघ संवत्सर ४२ नाम सौग्य मेघनाम आवर्त रोहिणीनिवासः तटे समयनिवासः राजकगृहे संवत् विश्वा १० कालीरोहिणी १३ स्तमः
१ सोमवती अयावास्या २ लोमवती पंचमी नास्ति अंगारकी चतुर्थो ३ बुधाष्टमी ३ रविवारी सप्तमी २ रविवारी दशमी २ ग्रहण २ वैशास शुक्का १५ गुरो चन्द्रस्य तथा
मार्गशीर्ष छण्णा ३० रची सूर्यस्य शनिद्दिः पश्चिमे संवत् वाहन सिंचाणु उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ अगस्त्यः सिंहाकेस्पैकोनर्विशत्यंशगते उत्यं
गमिष्यति बुधः ज्येष्टमासे उदेष्यति संवत् मुहताः ३३० संवत् दिवानि ३५४ क्षयतिथयः १५ वृद्धितिथयः ९ पूर्णिमाघट्यः ३८०१२ अमायास्याघट्यः ३६६।३६
अनयोरतारं घट्यः १३।५६ सौभाग्यपंचमीघट्यः ४६।४९ अथ विश्वासाघनम् ॥ वर्षाविश्वा १७ धान्यं १३ तृणं ११ शितं १७ तेजः ५ वायुः १३ वृद्धिः १५
क्षयः १५ विग्रहः ११ सर्वाहैक्यम् ११० सत्यं ॥ धर्मः १॥ पापं १८ ज्योतिष्य वत्तम होसी पाछे श्री विश्वनाथ करसी सो होसी गौ प्रजा भाग्य प्रवल छ ॥

० अध	द्वादश	राशिप	रत्वे न	वग्रहादि	धातच	के तिशि	वेवा	रमा	सन	क्षत्र	गिदि	स्री	णां	घा	तचं	द्रच	荡 .	छ.	मा.	लाभ	वर्च	को.
राशि-	मास-	तिथि-	वार.	नक्षत्र.	योग-	करण.	ļ ģ.	ਲ.	वं.	.	बु.	गु.	যু.	্য-	स.	₹.	स्री.	耳.	q.	यशि-	ला	.ख.
भेष-	कार्तिक	नंदा.	रचि.	मघा.	विष्कं.	the second	3	9	9	C	2	Ę	v	3	1	8	9	1	34	मेष.	9	4
वृषम	मार्ग.	पूर्णा	शनि.	हस्त.	शुक्र.	शकुनी.	8	2	4	9	q	90	90	v	92	1	1	8	99	वृषभ.	98	99
मिथुन.	आषा.	भद्रा-	चन्द्र.	खाती.	परि.	चतुष्प.	₹	8	9	9	90	2	3	99	8	32	9	4	3	मिधुन.	2	99
कर्क	पौष.	यदा.	बुध.	ऽनु.	व्याघा.	नाग.	9	9	2	Ę	3	o	4	8	9	4	9	4	83	कर्क.	99	4
्सिंह.	ज्येष्ठ.	जया.	शनि.	मूल.	धृति.•	बच.	9	90	8	१०	v	99	12	4	9	9	8	4	80	सिंह-	38	2
कन्या.	भाद्र.	पूर्णा.	शमि.	अव.	शूल.	कौछ.	9	92	90	२	99	ą	8	92	4	9	₹	4	34	कन्या-	२	99
तुला.	Annual Comments	रिक्ता.	गुरु.	ञ्चत.	शूल.	तैति.	8	w	3	v	8	4	9	9	90	Ę	Ę	9	34	तुला.	98	99
वृक्षिक.	आश्विन	नंदा.	যুক্ত.	रेव.	व्यती.	गर.	9	-	હ	99	4	92	9	9	2	90	2	4	80	वृश्चिक.	4	4
घनु.	आवण.	जया.	যুক.	भर.	वरी.	तैतिल.	9	9	8	4	4	9	99	Ę	99	७	90	4	83	घनु.	(99
म्फर.	वैशाख	रिका-	मंगछ	रोहिः	वैघृती	शकुनि.	8	99	1	92	9	9	2	90	3	99	99	4	3	मकर.	39	8
कुंभ.	चैत्र.	जया.	गुरु.	आर्दा.	गंड.	किंखुप्र	ą	34	99	ą	92	8	5	9	8	2	9	8	99	कुंम	99	5
मीन.	हारा न	पूर्णा.	到和	आसे.	वैधृती-		8	4	12	8	99	4	q	2	9	3	93	3	वर्य	भीन	4	99

संतानप्राप्तिके लिये बायुर्वेदशासारी महर्षि अभिनीकुमारोंका कहा हुआ

महाफलघृत

॥ श्लोक ॥ नामा फलवृतं बेहादिवस्या परिकीतितन् । पुत्रान् जनवते वीरान् समेश्रान् प्रियदर्शनान् ॥ १ ॥

स्त महामञ्चलके सेकासे कीपुरुषोमें रमणशांक बदती है सुंदर दर्शनीय बीर और बुद्धिमान पुत्रकी प्राप्ति होती है वंध्यादोष व्यवन मृतवस्ता होष, वोक्तिरोग, कदर रोग, विषमावैव स्त्यादोष व्यवन मृतवस्ता होष, वोक्तिरोग, कदर रोग, विषमावैव स्त्यादि समस्त विकारोंको तह करके नर्गाश्यको खुद्ध संतान पेदा करने वोग्य बना देता है हम दबमके सेवनसे कवस्य संतानकाम होता है यह हमारा कई क्योंसे अनुभव किया दुआ है इसकी पुरुषिती सेवन करे तो समस्त वीविवकार नह करके खुद्ध बीदे विकास गांवा और स्कार्टक सहस्त बेता वे गो भारकवाय बना देता है। मृत्य र शीशी रे तोकेकी स्र के, बाक महस्त पेतिय रही, वार शीशी केनेसे महस्त माक्

मिलनेका पत्ता— आवुर्वेरपंचानन पं० सवानीखंकर समा, जोशी, वैद्य, आयुर्वेषय औत्रभातम, सु॰ पो० नीमच केंप, (त्रांत माक्या), सः मा भेर करें ॥ अथ वर्षप्रख्यारंशः ॥ स जयति ॥ अयासिन विक्रमार्कसंवत् २०१३ ग्रालिबाह्वगाकः १८७८ सीम्यनामसंवत्सरस फलम् ॥ सीन्याव्ये निवित्ता लोका बहु सर्वार्धपृथितं । विविद्या स्वार्थपृथितं । विविद्या स्वार्थपृथितं । विविद्या स्वार्थपृथितं । विविद्या स्वार्थपृथितं । वृद्धस्य सर्वे स्वार्थपृथितं । वृद्धस्य सर्वे स्वार्थपृथितं । वृद्धस्य सर्वे स्वार्थितं । वृद्धस्य सर्वे स्वार्थितं । वृद्धस्य सर्वे स्वार्थितं । वृद्धस्य सर्वे स्वार्थितं । वृद्धस्य सर्वे वृद्धाप्ति । वृद्धस्य सर्वे । वृद्धस्य सर्वे । वृद्धस्य सर्वे स्वार्थितं । वृद्धस्य सर्वे वृद्धस्य स्वार्थितं । वृद्धस्य सर्वे वृद्धस्य स्वार्थितं । वृद्धस्य स्वार्थितं । वृद्धस्य सर्वे स्वार्थितं स्वार्थितं । वृद्धस्य सर्वे स्वार्थितं । वृद्धस्य सर्वे स्वर्थितं वृद्धस्य सर्वे स्वर्थितं वृद्धस्य सर्वे स्वर्थितं स्वर्थितं वृद्धस्य सर्वे वृद्धस्य सर्वे स्वे सर्वे सर्वे सर्वे सर्वे सर्वे सर्वे सर्वे सर्वे

		130		N. TA					
हैं हो. प	e seed	सामग्र ६ ई. प्र	सहण छ १५ हणदिः सः दा द	गुरी १२)१०	सं. २०	११३ सा ११२।१९१	गैशीर्थं १६ ई. इ	म्बर्ग १ एक्प १ पहणवि मी १२	॰ स्वी - पाट
HA	अपदा.	मध्य.	माझ.	पर्व.	सम.	स्पर्श.	सध्य.	मोख.	पर्ध.
	100	144	136	4	됙.	14	186	55	· Q
* q.	MM.	46	48	1	۹.	84	44	14	1 20
र् च	-	1 9	1 6	1	日.	1		1 3	2
1 9.	29	80	41	93	Q .	8	20	24	55
		平 如			3.	1	1	Š	er.

भैरवभवानीवाक्यम् ।



दि सहस्र तरह वर्ष किसीव होसी माय। हिन्द प्रजा दुःख पाळई अवतो क्रीक बताव ॥१॥ कहे मवानी व्यक्ति सुन मैरव गुणवान। संवय तरह का तुष्ठे सही कराकं ज्ञाव ॥१॥ नपुंसक राजा वर्ष के बुध जो बैठे जाय। उपक पथळ होता रहे मंत्री गुरू दवाव ॥१॥ उच्च गृष्टि वरवसी रोहिणी रजक निवास। गृहस्पती मेनेश हैं वहुँ विश्व हास विकास ॥४॥ सा सम पती मंगळ करे यद कर महंगो मान। प्रवण्य पद्ध गुरु का रहे वहे । असम्बद्ध सा १॥ भा न्यपती शनी वर्ष में कहीं र जास विखाय। दिश्वी मृषक जोरसे फसले नह कराय ॥६॥ चोर कुटेरा डोकसी करके मगवा मेय।

गमनसमये राकुनविचारः

फलान्दरभगोविमा द्यिसिद्धार्वकन्य-का । पद्माम्बरस्वाम्बैध्यानकुळाजो शिली पिका ॥ १ ॥ मीनी बढपकार्वीया विवक्ती-श्रदर्पणम् । रहोजीषौ सितोहा मृत्सरादि-त्यासिमंग्टन् ॥ २ ॥ अर्थे फल, अन्न, दन्ध, गी, विष्र, दक्षि, सिद्धार्थ, यन्या, कमल, पका, वाम, वेस्वा, नत्रल, शिखी (मयुर), पिक, अज, नीन, बंधापञ्च, बाजा, विष-कंस, सांठा, दर्पण, रहादि सन्मख मिले तो श्रेष्ठ है। परंतु आवनळ वैश्य व्यापारी लीग विश्वको सन्मुख देखकर अज्ञम शक्त मानने खग गरे हैं। विप्रनकी सहचर अनुचर समझ उनसे सेवकाई करावे है फिर 'महाराज' संबोधन करते है धमेशाखके वातनका यनन न करने-बालोकी क्या गती होगी वो खब सीन हेवें

वर्षलशस् ११।२९



शुना,अं	क्रम्	वसीव	सुरेवा	ह्वरा	हङ्गमा	ह्नधा	निरा.	नखरा	दुर्का.	जनहा	झाहेरा	सर्फो.	अवा.	समाक	गण्डत्	भावा.	अव्की	कृष्य.	सोल.	नवा.	व्हदा.	श्रापे.	बला.	सोऊव	अखना	मुकद.	मुअत्व	सिवा
सहते. ब	0 00	5 5	0 (0)	20	o sr	200	20	0	2 %	0	\$ 00 ·	2 2 2	8 o	0	8 8	50	ত জ	25	% व	0	20	0	0	0	रु	0	5 30	A C
सु चं	in all	·w-	·19·	15,0	Dig.	- ছৈ	-p-	ثوا.	वाः	ंषं-	nis	ri's		, post	Dis line	ij.	pi	is	ris s	- js		4.	'di.	E S	ni ^d	च्च-	ė	d.
यु.मी	(2)	300	1 100	100	तुक.	雪	4.	部.	题.	歌 .	की.	₩.	到·	部	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	न्तुं.	न्छं.	नधुं.	नुतं.	139	36.	3	Se.	36.	19	36.	65	je,
Ho	100°	ear	w	5	m	~	20	es.	5	5	a	a	5	~	0	20	30	er	54 54	30	err	-	-	20	000	O.	u,	0 10
सह.	अन्य.	था.क	व्यक्त	शक.	ह्यात.	मणि.	गृहा.	सरा.	च का.	माला	श्चा	वयका	हस्ता.	मीकि	प्रबाल	वीरण	विक.	36	वांद्रा.	श्चा	हिता.	तिको	्यक्षा	नामन	शृद्गा	वर्तुका	यसका	प्य का
नाम	ख.धि	in in	क्षि.सा	四.图	म् स्य	ती.दा	बर्	19	ती. ब्रा	in the	त. महर	हिवं.	लेखें	मु.मैत्र	वरव	मि.चा	स. मेज	के.वा	की.ध्य	10. S.	男.他	og.	नरव	नरव	वर्ष	G. 45.C	Hd.	H. D.
43	मं.को	म अ	सुको.	अं.ले	मं छो	म.ले	सुखें.	थं.हो	मं को	म.हो.	सुछो.	अं.हो	मं.ले	म.लो	हुन्हों.	अं.हो	मं.हो	म.डो	सुको.	म. छ।	मं छो।	म.लो	सुको.	मं.ले	मं.हो	म.हो	gel.	. C.
1	ति.ख्	्र इंग्र	ल	रहें से	ति.स	157 35	10.2	139	ल.मु.	अ.स.	तम	मंग अं	ति.स	ति.स.	ति स	अ.ध	(A)	R. H.	्र इंड	हिन्द्र इ	हों। इंड	0	157	139 16	139	13°	100	B. E.
E.	150 150	यस	अपि	त्रह्मा	संद	शिव	देवमा	100	सर्	मिवर	भग	अय	स्व	त्वहा	भादि	इंद्रामी	मित्र	in i	राख.	उदक	南海.	No.	Record	E S	वर्गा	अधिक	affi.	A Comment
असा.	शुभ े	नाश	कार्व	सिद्धि	श्रीम	होस इ.स.	सध्यम	Selection of the select	शोक	नाश	मृत्युत	बिधा	अक्मी	श्रम	अह	अश्	जीम	SE CE	ent)	OF I	बुविय	बुद्धिप्र	श्रीम	Han H	किल्या	1	a traff	- GII
雪	लाच.	मच्य.	अंत्य.	अंत्य.	सम्ब	आख.	आय.	मध्य.	अंखा.	अंत्य.	मध्य.	आव.	आच.	मध्य	अंत्य.	अंत्य.	मध्य.	अत्व.	आख.	मच्य.	अंद्य,	अंखा.	अंदा.	Hed.	आब.	थाव.	stan,	12.
E	in the	मतु.	राक्ष.	एग ध	व	मासे.	No.) jo	तिश्च.	राक्ष.	मुखे	मुं .	1	राश्च.	क्व	TIN.	4	TIME.	तश्च.	मुख	मतु.	13	To the same of the	186	Tag.	13		2
包	100	सिंह	बालर	मकुल	नकुछ	हिरण	अंदरी अंदरी	वानर	अंदरो	मार्जा	माजा	व्याघ	Rie	गाय	73	बाव	ब्राज	खान	le cui	मीहा	Đ.đ.	ai,	मीवा	12	10	100	Sedi X	ign.
是	20	गुड	मीडा	सर्व	T.	श्वान	माबा	मीहा	मार्जा	अंदरी	अंतरो	सांक	11.1	त्याप्त	14 E	TL IN	il ro	and the second	E P	बानर	नहुल	नकुर	ale of the	1	R. In	5	TE	172
बहार	अपित	भरणी	新语.	लेहि.	43	अडि	युनर्व.	E,	偿	सक्षा	त्वा	3चरा	P.	मित्रा	erréi	Sur.	を	The second	H. C.	d 91.	W. qi.	ST.	Ne C	48.	ere.	F	5	1



संबत् २०१३ शासः १८७८ के शुक्ष विवास्तुहर्त ।

बैशाख खडन एस.

४ रिवार मुने क ११-१२ रे. प्रामामा या शु. ११ रिवार जमार्ग क ११ रे पड़ामाम शु.

गुल पहा

१ सुक्रवार रोहे लग्ने ११।१२ रे जाऽहडाम या. के. क. व. हा.

कार्तिक शुक्त पक्ष. ' (bus

१५ रविवान रोहे छ. ६ हे ९प्राडाणयाः सः हः सः सार्वचीचे छुच्य परतः

२ जन्द्रवार रोहे छ. ४ रे शामझाम या सु- सु-श-रा- हाज्

र चन्द्रवार भृते छ ६ रे ९०००।५० चं के मध्यम २ भंगलवार भृते छ गोर हे ८००।५८ मा जूर पं. चं के मध्य

७ शनिवार मदायां छ. ६ रे ९५आ॥॥॥ छा. चं. १० संगठवार इस्ते छः ५गो. ४१७ रे ८१आ॥ऽऽ॥

मार्गशीर्ष गुड़ पश्च.

४ गुरुवार अगयां क राजी ४ वंश ४ यावत् रे रामानुमा अं. पं.

माध हुन्य पक्ष.

६ चन्द्रवार इसे रू. गो. रे १०००८०। शुद्ध-माच शुक्क पक्ष-

४ चन्द्रपार अभावां छ जो रे आहरूडा शुद

फाल्युन क्रंप्ण पक्ष.

९ शनी मूले ल डगो. रेज आगड्डा ल सुक सुद

अधोपनयनमुद्धर्ताः । वैशाख ङ्रष्ण पक्षः

२ भूगो अनु लग्नं चिन्त्यम् भी भ चन्द्रे पृथाया लग्नं चिन्त्यम्

साध कुरण पक्ष. ३ मुगी सार्व्य २१५४ या. यावत् उद्यं चिन्त्यम्-९ र्स. उफायां उद्यं चिन्त्यम्-

माघ ग्रुक्त पक्ष.

र भूगी धनिष्ठायां लग्नं चिन्त्यम् १ रबी पृत्रायां लग्नं चिन्त्यम् ५ भीमे रेने सामगानां लग्नं चिन्त्यम् १२ चन्द्रे आद्रीयां लग्नं चिन्त्यम्

फाल्युन कृष्ण पक्ष. ५ मोमे चित्रात्मालोर्डसं, बिन्सम् कवित् स्मृतिदृष्टिरोपश्चेत् क्षेतव्यं सुर्पीमिः ॥

विवाहसंस्कार.

विवाह मुद्दुर्व के पहले वर करवा की कुंडली पर मेळापक देखने की रीति सदासे प्रचलित हैं-कुंडली में मंगल शालाताहर स्थानमें होने के कुंगली कहलाती है-परंतु जोडकी र मानमें वा चंद्रमासे मंगल आ

नाप गृह होने तथा कन्याको निशास्य 4 होने उसपर वर को यदि दिभावी वा बहुभावी योग होने तो यह मंगल का परिहार शालमें किखा है एवं पडहक वर्गवेर नाडी रोषका भी परिहार शास्त्रकारोंने किया है अपनी भविष्य-पत्नीका तथा पतिका स्वभाव सुखदञ्ज वैरप्रीति किस जनरमें क्या क्या घटना होगी आयर्दाय भरिष्ट वन तस दरिद्रता वंशवृद्धि भाग्यहानी इत्यादि बातें देखने को ज्योतिषी में अञ्झी निपुणता होनी चाहिये। प्राचीन महिषयोंने अपने अनुभवसे नियम खिखे जनके अनुसार चळना सखपद होता है विपरीत चलनेसे भवंकर हानी होती है कुं के मेलापक देखकर फिर विवाहका मुहूर्त भी देखना परमावस्यक है जातपाताबि दश दोषवर्जित जिल्लाह्य लग्नभंगमद सह व हो ऐसे श्रभ समयमें विवाद करना शालसंमत है पर्व हाम भानंदप्रद होता है। पंचांगकर्ता, नीमच-

-: स्चना :-

"बय सिंहसंयगुरोः गुमे वर्ज्यलमाहः"१ क्रोक:-सिंहसंये गुरी यलाच सर्वारं मनिवर्जयेत ।
आरब्यं न च तिष्येत महामवक्तरं मनेत्" आदि ।
जहोपि-"नीचस्यं वक्तसंस्थेऽप्यतिचरणाते बालहृद्धास्त्रमे वा संन्यासो देवयामा ज्ञतिवनविधिः क्रियेषम् तु वीदा ॥
माजीवंथो गणानां परिणयनविधिवांस्तुदेवप्रतिष्ठा वक्त्याः सिद्धः प्रयलाच त्रिदश्यतिग्रुरो सिह्नस्तिस्थते ना"
इस्यादि शास्त्रवचनों से सिहस्य गुष्य में सदा से विवाहादि शुम कार्य नहीं होते हैं। सं. २०१२ दि.
भाद्रपद शुक्त १० चन्द्रवार से गुष्ठ सिह्नसिक्षिते पर भवेश हुवा । इसी वजह उक्त प्रमाणसे २०१२ में त्यम्य (विवाह) यशोपनीतादि सुहूर्व हमने नहीं लिखे, किंतु "मेपेऽके सन् मतोद्वाही" आदि प्रमाणको गानते हुष्य संवत २०१३ के चैत्र वैशास में मेव राशि पर सूर्ववश्य

विवाह यहोपवीतादि मुदुर्त निकाले गये हैं।

२ लहा:- अतिचारे च वके च वर्जवेत्तद्वनन्तरम्। अतोहाहादि चुडायामष्टाविदातिशसरान्" और भी कई शासीक प्रमाणे हैं अतः इन्हीं प्रमाणों में गुरु वक्रतामें विवाहादि करना १८ दिन तक मना है यदि १८ दिन पूर्व करना हो तो अपनाद शास ने "विकीयनायाधन संभ-राशी वकातिवारेण गुरुः प्रयातः । यदा तदा पाह स्म विलयं हिताय पाणियहणं वसिष्ठः ॥" अर्थात् रार कन्या की राशि से पात्राधाराश्य वा हो तबही इस वक्त के समय मे विवाह करे। हमने सं. २०११ में वक्त गुरु के समय विवाह लग्न नहीं लिखें यह समझ कर के यदि लग्न लिखेंने तो सब लोग लग्न कर लेंगे मामली अल्प पठितों को अपवाद याद है या नहीं इसी वजह से पूर्व हमने लग्नादि नहीं लिखे। किंतु इस वर्ष सं. २०१३ में माघ कृष्ण ३ भृगुवार की पुनः गुरु वक्त हो रहा है व विद्वालनोंने लग्न लिखने की पत्र द्वारा लिखा अतः इस वक्त के समय उनने वस लिखे हैं किंतु पुनः यह निनेदन कर सूत्रना देते हैं कि प्रत्येक कत्या का विवाद इस वकत्व ग्रह के समय न करें सिर्फ गुरु ९।५।७।२।११ वा हो जिन २ कन्या की हो उन्होंका लग्न करें पूज्य गुरु वाली कन्वाओं का लग्न इस वक्त के समय न गराचे यह समस्त विद्वानों से पार्थना है।

र फाल्युनमासे सितास्त्रत्याद विशाहयद्योक्पीताहे भुद्रुतांडमावः॥ जय पश्चीभक्तम् ।



एच्छक अपने मनमें काम विचारके इस जिडियाक शरीर कपर वो भी है जनमेंसे कोईमी ब्रंगरी इक अकि कपर अंगुकी रख्खे जिसका एक नीचे किये तुक्य समझ लेके.

दोहा-चीन दुःख पालां मरण, शंद्र दोडन समाज ॥ वदर सुनोजन, पूंछ बन, मराक पर्ध दांड ॥ १ ॥ सुन लक्षण पानांपरे, वर्षे व्याच्यार ॥ क्षा भवानिशंकर क्षेत्र पक्षीराजनविनार ॥

अथ अभिजिन्सुहर्तमाह.

₹.	₩.	# .	3.	IJ.	3.	₩.	বাৰ
50	18	94	18	33	35	8.5	जंगुङ.

अथ ऋणीधनीविचारः

खन्म हिमुणं इत्वा परवर्गेष बोजवेत् । शष्ट्रभिश्व हरेद्धामं योऽधिकः स ऋणी सवेत् ॥ आपने वर्ग को दुणाकर दूसरे का वर्ग जोडमा फिर ८ का भाग देना। फिर दूसरे का वर्ग दूणा कर अपना वर्ग जोड़ ८ का भाग देना। जिसका भाग दोषांक अधिक बचे वोही कम बचने वाले आ ऋणी जानना।

	न	प्रप	त्र	अय	નાંર	n:	२३	=	रस्	08	ानि	w.	Dig o { {	tize	d by	Sai	rayu Juli	Tru T	ist F	oun 31	datio 344	on, E (ज	elhi i 4 4,	and o	eGan 1607	gotri १र - व	Funda Here	ding,	by M q.	toE-I	भारोश	संबंध	五流.	il.	दक्षिण.	- BH.	1	शृहा वृषभ		
•	मेगाः	0	3	2	R	36	4	8	,	9	4	3	10,9	99	12,9	¥ 9	18	9 4 9	3 8 9	109	169	१९२	० २	9 2 2	रिइ	२४ :	१५ २	६२	७२८	ं२९	100	इ सर्फ	क्षित्रम् ।	के पूर्वाद	電	THE PERSON	उत्पर	सूर्यभ		STATE COLUMN
	मेष.	20	2	3	2 4	3	् ३ ६ २	S R	0 3	< x	₹ ६ ६	3	20 20	3 3	8 9 9	8 { 2	3 8	8 . 8	8	9 9	4!	१८२	द इ	483	9	8,		६६		६ ४२		भन्ना वाह	क्रियम	योत्र मिले पूर्वित्या.	३ दिनमें	६८ हिन्से	A	a ११		Attended to
=	हुप <i>य</i> . १	80	8	9	90	3 2	2 2	28	9 8	9 6 6	0	2 9	2 .	2 2	58	400	4	9 9		9	S 1600	6 9		90	90 30	909	09	999	999	39	10	ा अपूर्	मेले या	**************************************		in R	io 5	विश्ले व वर्ण स	न्छश- र्वभाष्ट्	A CONTRACTOR OF THE PERSON OF
F	मेखुब. २	33	9 9	9	9:	3 5	2 9 8 9 8							P195	E 9	-			188			9 9	५ वर	The state of	94	989	६१	E 98	६ १ ६	1	अस्य क्षेत्र		किले या न मिले या कितने दिनमें मिले	19. Q	100	阿阿阿	2	1	< §	A COLUMN TO SERVICE A COLU
1	हर्ब. 3	3.8	9	0 9 1 E B 1	0 31	89	(9		一 くり える	48	(9	29	0,9	200	e 9	0,9	4	000	202	(08	(0 Q	०२	9 2 9	129	59	292	र २ १	२ २२	२२	२२ ३९	· 中国中	N Paris		hi bis	ho	10年	-		ते. हो. ८० / १४	Distance Sign
	सह. ४			_ 2 ≈			व् इ इ	1 R R C 9	भू २ ० २	一 3ママママ	8.5	8 5	४२	42	42	42	900	्र १५३	इ १	(६२	(६ ६	ब २ ७ १	६ २ ह ८ ५ ६	39	२७ : २२ :	<u>।</u> १७२	७ २।	926	24	२८	生作	वाली.	-0	Æ	Riv	6 6	19/10/19		がら	A CONTRACTOR
	हन्या.	20	3	CR.	2 2 9	3 2	९२	९२		DON			0 3 8					(9 9	99	9 3	२ इ	२३		३२	१३	१३३ ११२	च् च्		त्र ५६	38	THE PERSON NAMED IN		生物	の記し	मंब्रुकोचन	मध्यात्रीचन सन्त्रोद्धत	dalah dalah	*	w di	Section 19
	[B].	38	10° 10°	₹ 1	3 21	3 2 3	4 8	4 8	- ५ ह इ	4 9 6	48	5 8	इस्	一天天	42	वि अ	8 3	0 3	७३	७३	उद्	७३	(90	the Third	३८		९३	३९	39	व्श				रादिन पुती प	'ylola	1		30 Els		14
	र्विक उ	80	91	8	0 B 4	2 8	03	3 %	5 8	9 8	2 8 8 8	9 %	28	1	28	A	(-F2A)			W 6.3 M. A.	व १	5 8 8	₹88 ₹ 4	38	888 203	138	380	184	84	84	शर भा	807%	सूर्व	271.		816	113	ગુજરાં ગુજરાં માલા		THE REAL PROPERTY.
	वर्म ट	8 9	85	12	, Q:	(8 ·	E 81	8 8	8 8	9	98	一 つ さ く え	₹8 ₩8	9 8	38	28	12	368		168	58	3 8	९ ४९	४९	36 e		040	30	40	40	शहापत पुर्विद्य	-	सूर्य सरी			20 1 W		वंग खुर घडी		The second
H		6.3	90	19.	149	14	9 4	9 %	24	29	24	24		2 4	24	2	MEN TO	F. 450.	त् व		३५	3 9		48	480 285	Car V	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR		99	44	or Ravi	ोध	周. 图.	, i	lą.	वान वान	(डव	u. u.	38	Sepanday.
	₹₩. 90	44,	99	14.00 12.00	84	48	1 4	14	14	18	4 4 2	4 4 8	- C - C - C - C - C - C - C - C - C - C	4 9 9	54	3 9	30	199	७३	98	9.8	७६।	७५८	96	-	169	-			0.0	य हैं व		पः	1	8	ड्रे श	ाज़ .	q.	99	F. 1984 A. 1885
100	विद्यः	49	99	内侧	49	46	80				9	2	12		コースの	3 4	0	550	9 9		9 3	1 9	983	86	9,48	2 2		120			ધા વિષયો વર્ણમાં	। पर	ते १		थासरे		श ही	क्यानी		5 (2)
		2	ile il		Con																Total Control				Contraction.				२ व	4 T)	NO PER	e fi	Au a	यम् भ	ामव	O. Ad	गुर्व	त शिव	A CONTRACTOR OF	-

		*	2	13	1	3	2	3%	•	2	>·3		दः	शम	प्रानि	्णी	. 4	16	~	ere	3	4	64		40	*	•	6			和企
अंशाः	0	9	2	₹	8	4	٤	9	1	9	190	99	92	93	98	94	98	94	990	96	120	२१	रिव	१२	१२४	3 20	१२	६२	७२	दिश	9
मेप-																															
0																															
वृषम.																															
3																															
मिधुन	93	93	38	38	18	98	98	33	39	99	134	34	34	98	38	38	98	११६	98	30	90	90	90	90	96	30	90	96	94	34	d A
								0																							
कर्क-																															1 :
3	-		-	-		-		२३			_	1000	-	-			-	1	-		A	-			The same of				A SHARE	The same	1
सिंह-	128	28	28	58	38	२५	24	र्रेष	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	र्६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	24	२८	24	२८	1
		-	-	-				22		-	-	-		-		-	-	-	-	-	_	-	-		The state of	-	- 1000			1000	Service of the
कल्याः																															
(q	-	PERMIT		-	-	-	-	-	-	-	-	COLUMN TOWN	-	-	and spinisters.	Section 1	-	-	-	Access to the	-		-	Section 1	The second second	العنعالات		Delicated.	SECOND S	-	
तुला.	33	22	44	48	23	16	28	32	28	28	23	33	24	3/	39	39	39	2.9	29	34	२५	29	20	300	20	3.0	20	30	14	3	
वृधिक																															
विध्यक																															
धनुः				-		-	-		-	-	_		-	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	Marie I	-		-	1
43.	84	44	8	90	26	21	86	0	99	9 7 2 2	37	83	98	9	94	२६	30	82	96	6	20	39	82	42	3	95	20	34	38	40	و
मकर.	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	THE PARTY OF	market in		-	-		Market Street	-	-		
9																															
कुस्स.	-	-	-	-	_	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-			_		-	-		Samuel .			2000	-	
30																															Lin
मीन.																															1
99	44	8	38	२३	32	83	43	0	91	98	2	१७१	36	45	4	98:	२३	32	89	19	0	909	19:	२८	22	30	५६	4	39	28	

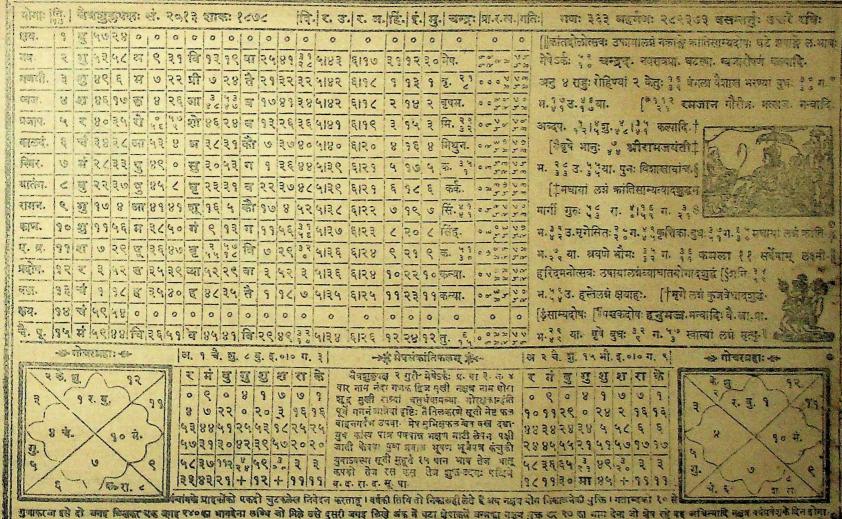
॥ दश्मानयनविषेः ॥

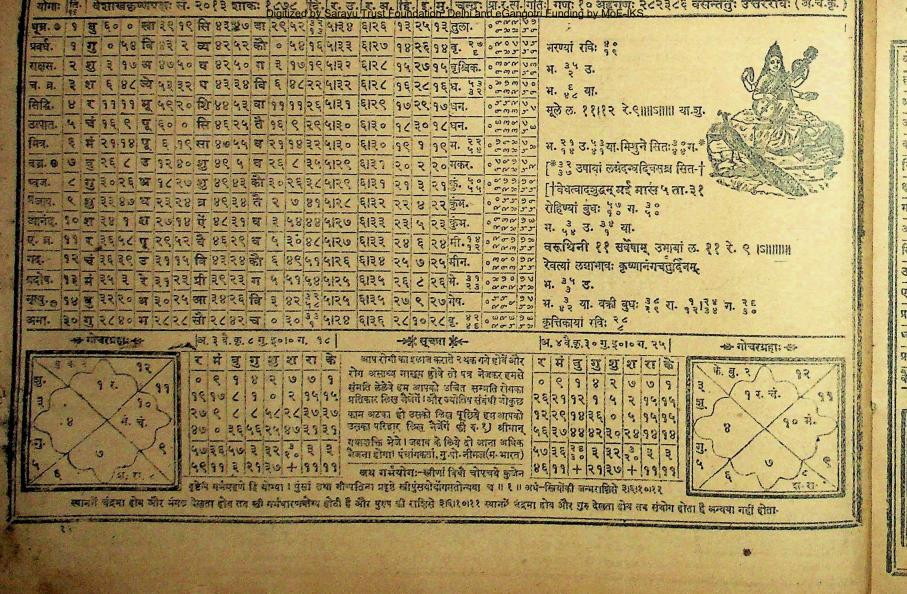
नत बनानेंमें ज्योतिषियोंको बड़ा कष्ट होता है इसवासे प्रथम नत बनावा छिखते हैं-दिनार्धते कम इष्ट होय शेष रहा उसको दिनाधेमेंसे घटा दो पश्चिम नत होगा, यह दिनके इष्टेंत नतका प्रकार कहा। अब रात्रीष्टिन नतका प्रकार नत होता है, नतको हुए मानक्र लग्नकत् किया करो नत लिखते हैं-राज्यधंत्र पूर्व इए होय तो गतसनिमें दिनार्ध युक्त करनेसे पश्चिम नत होता है, राज्यधंत्रे पशात् का पश्चिम होय तो युक्त करो नत पूर्व होय तो हीन करा, फिर दशमतारिणीको अवकोकन करो जिस .कोश्कमं बिन जब मिले उसके नाये तरक दशमकी गृशि है और उसी मोधक के उपर दशमके जंश है पश्चात्का इष्ट होय तो जितन। और नत युक्त या हीन करनेसे जो अङ्क आया है दही करता विकला समझता. ता दिनार्थमंसे इष्टको हीन करो पूर्व नत होगा, और मधाह दिनार्ध युक्त कानेसे पूर्व ने इट होय तो शेष पात्रमें

部

District Control Tours	E - Constate Constate Date Constate	at a O and and the Franchisco	. L. NA F II/O
Digitized by Saravu Trust	Follogation Lielbi an	d el andotri Elindin	
A STATE OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER.	A Description of the Control of the	THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T	ALEXANDER PROPERTY.

	ar gran	अय सुरूर्तिचिता	मणि	मार्वेड	स्ण	पर्व	ोत्यादिमते	न आवश्यकसहर्ताः । 🤲 🧓				हवनकर्ममें आहुतिगुद्धि
*	नाम मुहूरी	्र नामनक्षत्रः	fa.	वार.	डम	क्रम	नाममुहूते.	नामनक्षत्रं, 🐃 🔭	fà.	वार.	ভয়	
-	रजोदर्शन	अवन ६ सृग, रेवती,चित्रा,ऽतु. इसा,स्वाती,ववि, उत्तरा ६ मास माव ६ सामे वै. २ आ. बा. शु. ए.	શુપ્ત.	चं. चु. गु. ड ु.	I.	93	कथविक्रय.	पु. पू. भा. उ. ६ ऽनु. ऽश्व. श्व. हु. सृ. स्वा. ऽश्वे. रेवती.	a .	3 .	3.	सु. व ज. म. इ जे. इ. इ श्रे. गु. ब श्रे. इ. व श्रे. ग. व ले.
*	रजः खान की प्रगमा	इ. स्वा. सनु. रेव. सथ. मृ. ध. रो. ट. ३ ज्येहा २ मृ रे. स्वा. इ. सथ. हो. श्रीच्च गर्भधारण होय.	A.	3 .	3	38	दुकानकरना	मृ. रे. चि. ऽनु. रो. उ. ३ ह. ८स. पु. मित्रधुवक्षिप्र संज्ञाके नक्षत्र. चन्द्रलक्षमें.	A -	र.चं. तु. गु.गु.श.	- 1	चं. ३ छे.
	गर्भाषान	ट. इ.स. इ. अनु. तो. स्वा. श्र. घ. श्र.	평.	3 .	E	3.4	नका.	इ. डिम. डिस. पु. मू. रे. चि. डचु	A.	बु. हु. यु. र.	I	स्रो॰ मावे दुधे च महिषी आदणे पडवा दिवा। सिंहे गावः
		स. पू. मू. थ. पु. इ. मास ३१८१६	N.	到:道· 有.	I.	18	च्डापहरने- कास्यंभाद्रः	ऽश्व. इ. चि. स्वा. वि. ऽतु. घ. रे. ध्रुवन. ने. ३ ने. ५ थ्रे. ३ ने. २ थ्रे. ७ ने. २ थ्रे. १ थ्रे. ३ ने. १	IJ.	સુ. યુ. જી. તુ.	57	प्रस्यन्ते स्वामिनो मृत्युदायकाः ॥ १ ॥
4	जाउदमें (नामदमें)	मृ. चि. रे. ऽजु. ह. ऽच. पुन. इ. १ हो. स्वाती. पु. ख. घ. च. जनमतः ११ वा. १२ दिने.	I.	Ŋ.	IJ.	18	चुरुहेथाप- नेका.	प्. भा. तो. पुष्य. उ. ३ जा. भा. (त्रविभात्रणना) ६ थ्रे. ४ ने. ८ थ्रे. ५ ने.२ थ्रे. ३ ने.	₹.	2.	I .	षर्थ-सावगासर्गे बुधवारके दिनमें हित्ती (भैंस) आवणके
	स्विकान्त्र नमुहुर्तः	र. ७. इ.स. छू. इ. इ लाख. उनु.	3.	र. गु. मं.	100	96	बाटीगुधा- वण.	मृ. से. मृ. इ. रे. स्ता.	IJ.	मं. सू. गु.	51	दिनमें घोडी सिंह संक्रान्तिमें गाय प्रसव हो (न्यावे) तो स्वा-
9	पासनेमें पुरुषिका	स. रे. चि.ऽनु. इ. ऽभि. तु. रो. उ. ३ सूर्यभाद्रणना आसोस्य ५ सृत्यु ५ देहकट ५ रोग ५ सौब्य ७	ਬੁ.	y .	IJ.	99	हळचळाना. सूर्यभाद्रण.	ज. तो. २ पु. २ स. उ. ३ ह. ५ सू. ऽजि. श्र. रे. दा. ३ ने. ३ श्रे. ३ ने. ५ श्रे. ३ ने. ५ श्रे. ३ ते. २ श्रे.	ચુ.	3 .	3 .	मीकी मृत्यु होवे इसमें स्वामीको शान्ति करवाना चहिये ।
0	यस- पुत्रम.	अ. पु. पु. स. स. पु. ऽतु. (सु. गु.अगत. चै. पी. ऽचिमासमें पूजा नहीं करणी)	3 .	E.	3	२०	वीजवाबना	ज. तो. २ पु. म. उ. ६ इ. ३ ऽतु. मू. घ. रेवती ते.८ग्रे.३ ते. १ श्रे.३ ते. १ श्रे.३ ते. १ श्रे.३ ते. ४		र. चं.यु. गु.जु.श.	35	यामार्द्धवारवेलाचकम्
9	कुणंदेध	था १ पु. २ मथा सृ. इ. २ मृ. उतु. अभिनित्, रेव. (देवसुष्ठमें अन्ममास चै. पी. समवर्ष स्थापना)	I .	IJ.	3	23	रोगमुक्त- स्नान.	ऽख. इ.स. २ पु. पू. ३ इ. २ वि. ४ छ. ३	उद्य	र. मे. बु. गु. श.	S S	प्रहर. ४ ७ २ वार. चु. गु. शु. श.
90	अदुका इतारना	अबि. मृ. पु. २ इ. इ ज्ये. झ. ३ रे. ३।५ वर्ष कत्तरायण,	Z.	y.	3	27	काष्ट्रस्थापन.	रविभाद्रणना दिननक्षत्रतक. श्रे. ६ ने. २ ने. ४ श्रे. ४	3.	g.	IJ .	प्रहर. ५ ८ ३ ६ कुलिकयोगचक्रम् ।
1 .	विद्या प्रकाना	जिल्ला ते. १ पू. १ ह. १ ह. १ ज्ञु. मृ. दे	418 3130 33193	3. N	3	२३	गृहप्रवेशे कुंभचक्र.	रविभाद्रणना दिननक्षत्रतक. ने. १ ने. ४ थ्रे. ४ थ्रे. ४ ने. ४ से. ३ से. ३	IJ.	T.	I.	वार. स्. चं. मं.
	वार्षाकृपत धारामनः	म. इस. रे. स् पु. थ. ज्ञा. पू. वा. उत्तरा ३ ते. ज.	a.	ਬ.	12	122	द्रारशाखा.	रविभाद्रणना दिननक्षत्रतक अप्रे. ध ने. ८ थ्रे. ८ ने. ३ थ्रे. ध	3	3 .	3	सहस्ते ७ -३ ५ बार. दु. सु. हु. हा. सहस्ते ७ ३ २ ३
		The same of the sa						a particular and the second se				





र अवस्थार प्रभाव अप्राव वायुक्त कर वेट र स्वति के तेजामि के उत्तर

वोगाः हिः | वेद्याखशुक्कपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८ |दि. र. उ. र. व. हिं. रं मु. चन्द्रः प्रा.स. गतिः। १ अ रश ६ कि रप ४२ को रर १८ व रश ६ । ३३ ५।२३ ६।३७ ।२९ ११ १९ १९ मूम्स. व श १८५४ से २२ १९ अ १५२१ की १८५४ ७ ५।२३ ६।३७ ३०१२ १ मि. ५००% ज ३ र १२१२ स् १८८८ स ८ ५ म १२१३ १०५।२२ ६।३८ २९१३ २ मिथ्न. अक्षय. चं ७ १५ आ १४२४ छ १ १ दे कि ७ १५ १४५११ १ १३९ ह । १०१७ में ४५२८ वा १ ६ १६५१२१ हारे ध्यय. ७ स ४९२४ स ६ २१ स ३८ ६ म २२१४ १८ ११२१ ६।३९ ३ १६ ५ कर्क. मातंग. ८ श ४४ ११ आ ११ म ११ स ११ १२ कि १६४८ २० ५१२० ६१४० ४ १७ ६ सि. १६ ०० ०० ००० ९ श ३९३७ य ५७२८ चा २४४७ वा १०५४२३५।२० ६१४० ५ १८ ७ सिंह-ए. ज. १९ ए ३३ १२ ह ५५ ४९ व १४ ७ व ४ ३३ २९ ५।१८ ६।४२ १२ चं ३१४० चि ५६ ४२ सि १० ५ व र २६३२ ५११८ ६१४२ ध्वज. १३३ मं ३१२४ खा ५८ ५२ व्या ७ ० केंग्र १ ३२३५ ५१९७ ६।४३ ९ २२ १९ तुला-प्रजाप. १ श हा ३२२६ चि ६०० च ४ ५६ म १ ५५३७५।१७ ६।४३ १०२३ १२ व. इंई

गणः २६ अहर्गणः २८२४०२ वसन्तर्तः उत्तरे रविः

चन्द्रदःरोहि.ल.११।१२रे.णाऽ।ऽऽ॥॥(या.के.बु.कं.पं.जु.) मृगे लबं मृत्दुप्रचकम् परशुरामजयंतीः अक्षय्य ३ म. १९ उ. वृषमेऽर्कः ५ धनिष्ठायां मोमः ५३ ॥ म. ५५ या. वंगला ज्येष्ठः

पुनः कृत्तिकायां बुधः ३२ ग. ५६

[*ग. १६ रोहे सितः१६ग.२१**ड्यासः** पश्चिमे३१ नेतायुगादिः क्ल्यादिः स. १९ उ. गंगोत्पत्तिः ७ [्रामन्यादिः वै. सा. स. चन्द्रशहणम् म. १९ या. अगस्त्यसः १९

[विकी सितः दे १ रा. दे । १ रा. १ क्षेत्र कुर्म कुन्ती ‡

उफायां लबानावः

मोहिती ११ सर्वेषाम् म. अ उ. ११ या. मिशुने मानुः १%

क गोचरप्रहाः क

अ. ५ वे. घ. ८ म. इ०१० म. ३२

−>% वृषभसंक्षांतिपालम्, %←

अ. ६वे. ज. १५ तु. इ०१० त. ३९

-अ गोचरप्रहाः स



र मं हु हु हु श रा के १ ९ १ ४ २ ७ ७ १ १४ १४ २ २५ ८ २ ७ १ १४ १८ ५२ ५६ ३ ४३० ४ १६ ४२ ५२ ५२ १७३६ ४६ २८ १३० १७५७ ५७३६ ४६ ३ २७३३ ३ ३ ३४१८ + २११२ + ११११

मभीपानऋतुयोगाः ॥ स्त्रीणा गतोनुप चयक्ष-

र मं बु गु शु श रा के १ ९ १ ४ २ ७ ७ १ ९ २९ २ २ १३ १ १४ १४ ३९ ५१ ५९ ३२ १७ १८ ३० ३० ५८ २६ २९ १४ ५१ ३७ ४० ४० ५७ ३६ १६ ३ २७ ३० ३ ३ ३ २३ १८ + २१ १२ + ११ ११

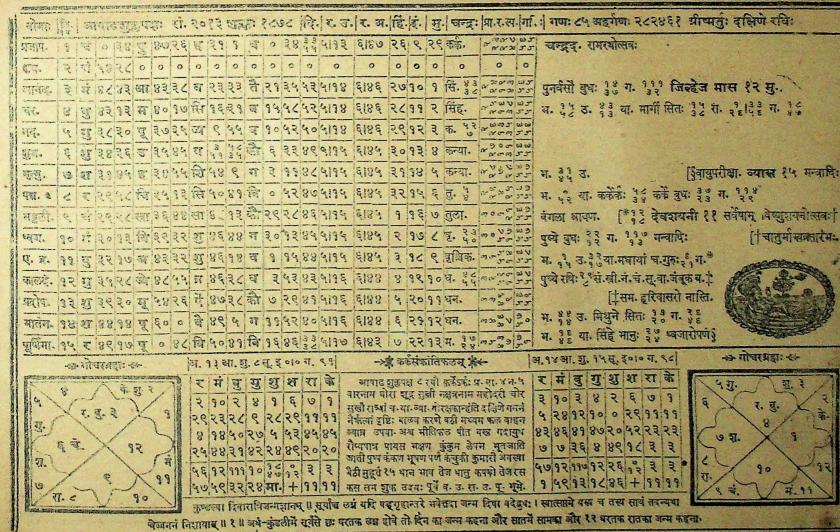
मनुष्णसिमः संदृश्यवे यदि बरातनयेन तासान् । स्पेग्नदार्वनमुशंति तदा सुनंध्या वृद्धातुरात्पवयसामि नैतिदिष्टम् ॥

भर्थ- वियोंकी बन्मराशिते शराश्याकाटायार स्थानमें चंद्रमा श्रीय और मंगठ देखता श्रीय तथ उनकी गर्भ उरने योग्य कत् होता है अन्यमा कतु निष्कर याताहै यह योग बंदमा, बृद्ध, रोमिणी नाककियोंकी होडकर कांग्या

Torrest Foundation, Delhi and eGangotri Funding by MoElike |दि.|र. व.|र. व.|हि.|ई.|सु.| चन्द्रः |गारासा,गिता गणा ४० वहर्गणः २८२४१६ मीष्मर्तुः उसरे रिवः (जाते. केवाः वि । ज्येष्ठकृष्णप्राः सं. २०१३ शाकः १८७८ विस्त १ शहर ० म ६ १८ छि ३ ४६ वा ६ १९ ३३ ५११६ ६१४४ ११२ २५ १४ विश्वक ०००००० २ ब ४२ १६ के १२ १८ सि ४ २४ से ३० ८ ३१ ५११६ ६१४४ १३ २६ १५ व. १९ भ. १५ इ. १७ या. पुनः सेपे बुधः ४९ ग. ४५ इ र ४७ ७ म १८२९ सा ६ ३६ स १४४२ ४३ ५११६ ६१४४ १४२७ १६ वन. च. म. १ च पर ८ क रहपूर्ण क ९ व १९३८ ४४ ५१५ ६१४५ १५ र८ १७ म. हु 3 बुधोदयः प्राक् है द गानस. ५ ई ५६५८ उ ३१२१ छ ८ ४४ को २४३३६५ ११५ ६१४५ १६ २९ १८ मकर. व्याः क है का ६० ० इन दिखानक मा १० दे । वा २८२९ ४७५१९५ | दा४५ | १७ ३० १९ मकर. भ. १ उ. ३२ या. इ क १ १६ छ ४२२५ से १० १२ छ १ १३ ४८ ५।१५ ६।४५ १८ ३१२० ई. ५६ मार्गीबुबः ۴ रा. 💃 १५३ ग. 💃 जून मास ६ सा. ३० क कि १ वर के १६ इर के १०५० मा १ इर ४९ ना१५ दा४५ १९ १ र १९ इंन ि भौम: 25 ग. 33 मघायां हि. गुरु: 35 वा. 45 भ. ३७ उ. इ र ७ ४९ इ ५१ ४ औ ८ तर क ७ ४९ ५२ ५१९४ ६१८६ २१ ३ २३ मीन. मात्म १० ले ७ २० रे ५१२८ या ५ ३५ कि ७ २०५१ ५१९ ६११६ २२ ४ २८ में, ११००० में म. ु या-अपदा ११ सर्वेषाम् शततारकायां . ज. ११ ज ५ १६५ ज ५०४५ सी १५ वा ५ १६५५५ ५।१३ ६।४७ २३ ५ २५ में। ज. है है उ. दूवे तुवा है है ग. ⁶9 कर हा र व क्रावटनर का भावता है। व भावतावर दाएण रश द निर्दित्त. हेंगक १४ हा ५८४० हा ४६२३ हा ४४५९ वि २६५८५७५११३ ६१४० २५ ७ २७ हु, ३ ०%०८३० या देह या स्वे पविः हुई २० स ४९ २६ हेर ४३ ७ स दर १२ स दन २ हिंदू पावर विशय रही ८ रिट हिंगम. किलान न अ. ८ ज्ये. इ. ३० मृ. इ०१० ग. ५४ **क गोचरप्रहाः** -स्क अक्ष मामाज्यस्, अस्-अ. प को स. ट श. १०१० स. ४८ AL MERSEN CO. धोकः धमुते शुंबराहित्यं सर्वधान्यमहर्षता। (र. जु. के. चं. एवं प्रजारते को जीवनधी तु निर्मवस् ॥ १॥ 9 3 0 0 93 93 हरा वहींने में कुम राशिवर संगठ है सी प्राय: सर्व कं. ११ पाना हैन रहेंने तथानि होता में निर्मय आनना श. रा. ८ १९११ अध सम्बार्या योगाः ॥ स्विगार्ये बादश्मेरनमा हा दिशानी: शुन्का । शमद्राविती देखना केनद्रवादी जनशान्या ॥ १ ॥ चंद्रवादी न्यकि विना अन्यम् १२ खानने होते तो अनका जीर

योगाः	लि.	जरे	सव		वस	: सं	. 2	0 2	3 5	ma	F: 7	100	-	11	>1	ar tor	יוב יוב	15.	1 ==	177		lu v m	1-0	ो। गणः ५५ अहर्गणः २८२४३१ ग्रीष्मर्तुः उत्तरे रविः
वज्र-	3	श्व	83	80	मृ	3 6	र्र	१ व	1 3	9	0	命	98	₹ ₹	3 3	4197	1818/	118.	18.	13.	भि: १	3 0000	.lano	न गयः ५५ अहगणः २८२४३१ प्राप्ततुः उत्तरे रविः
घ्वांक्ष-	3	T	३७	३९	3H	३८	3 9	2 3	िर	3	१२	वा	90	80	38	3193	1818	126	90	30	मिथन.	2.0.3	9 7	THE RESERVE OF THE PARTY OF THE
ध्य.	35	च	53	38	3	3,9	9 9	् वृ	13	C4 6	१२	ते	8	३७	9	4192	\$184	२९	99	3	क. १	0 009	200	# 46 7 Am
शबर्ध.	8	A	36	58	3	30	9 3	18	11	4	16.	6	२५	185	र	4192	E184	30	32	2	कर्त.	6950	190	म. १६ उ. जिल्काद मास ११ मु. म. १५ वा. पुनः मृगे सितः ३० ग. २०
राश्चस-	30	可	36	३६	आ	23	13	८ व्य	T .	5	13	वा	33	३६	2	4199	\$189	33	93	3	सिं. ३	S - Nico	20	. 58 de 24. Set 194: 30 41 6
मुसल.	3	T	38	30	31.	50	31	6 3	1 8	0	१६	ते।	38	919	Eg !	3199	9813	13	33	8	सिंह.	0000	400	पियुनेऽर्कः रें है बंगला आपादः ["सितास्तः पश्चिमे 💃
Rig.	19	S	9	83	पू	90	3,81	६ हि	3 8	9 :	३६	व	8	83	8	4199	9813	2	989	4	ज़. 3 २	S wo as w	113.0"	स. १ ड. ३ या. अनुत्. राहुः रोहि. प्र. केतुः १°
उत्पातः			4	25	3	98	3.	5	TR	8	१६	स	9	५२	4	4199	६।८९	न्य	38	६	कन्या.	ard ma	27.3"	रोहिण्यां हुन: ^{२,५} ग. ६, पुन: हुलानां सनि: ३३ ग. १५
मानसः	0		3	2	S S	30	1 38	4 5	13	२	33	की	3	3	8	1190	६।५०	8	30	v	तु. ४	NW OF	33	गंगा १०
- BK-	30	च	9	₹ 	19	3 8	9:	5 0	1 3	4	96	ग	9	155	33	1190	हा५०	ध	35	6	तुला.	WW SW	55	म. ३३ उ. [वितारंसः देशाचारे.
ध्. झ. प्रदोष.	33	4	0	38	स्या	30	1 -	- 2	TR	8	1	间	0	18	121	4190	6140	8	38	3	दुख-	0x30 0x40	3.2	म ५१ या निर्जला ११ सर्वेषाम्
आनंद.	34	59	1	43	194	20	1	15	1	30	2	77	9 0	3		1190	६।५०					an and		
च्याः	3 4	55	10	9.9	O. T.	30	40	1 50	1 4	71	<	CT	7	3.4		118	दापन	1	29	33	वृक्षिक.	or w Uni	22	रेंद्रि रविः हुँहै सं. सी. नं. चं. स् वा. मंजूक. व. केत बडिवर कि-
च्ये. हु	a Ca	50 P	9.0	93	23	38	100	55			3 3	7	107	7	4	118	4148	4	₹₹ 	93	4. 3 9	1 2 3 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5	(meaning)	म, ५५ उ. ३६ या. वटपूजनम्
annun senders	-					-							1 3 1 4 1. \$0								धन. कालस्	ary arm	-	गुलस्मतेन घटपूजनस् मन्यापिः
辰	DELEVI)	Sept 1	Micures Contract	6.	eti eti il			T	4	150			-	-		-	read or supplied to a	and the second		a since the		ग्रह− ग्रह−	or templotee	वा. १० ज्ये मु १५ श. इ०१० ग. ६६ का गोचरत्रहाः क
3	5	₹. :	-	7	3.	9		3	90	10	To	1			. 9	1 9	विज्ञाम न	दा गण	1 12	न सः	直 一刀挺市	ताम धोर धूर्व गरा	Y	र सं चु गु श रा के प्र १ १० १ 8 र इ. इ. इ.
11195	1	, ,		/	7			9	32	3	8	8		7		रं। मान	व्यां इतिः	गरक	रणे वै	ही म	ध्यमफ ल	वाहन गा		८ १६२० ५ १ २९ १२ १२ १३ १
IK &	. 8)		92		?		100	District Age	100	X 0	5000	७ ३ ७ २२	TO A			पात्र पर	त्वस्य व महा	गिफल	रत सिव	न नेपन न तेपन	तुत्र भाषुप पद्म भाषि	1 *	2 2 3 4 8 0 3 9 4 2 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4
	1	2		1	7	H.							0 3			- विस्व	पुष्प सुनु	त्र भू	an f	सेन व	षं चर्चा ।	गीत। इबस्या		100 100 100 100 100 100 100 100 100 100
12.	ता-द	1	5	1	0	3 3		46	4	13	41	1	1+	13.	13,	र सब	स तम य	第 317	तः प	धिये	व.इ.स.	कपड़ो सम प-मू-स्वरो	9	999890+ + 9999
Constitution of the last	Contract Con		ionae			parme)			50	हल्सु	परि	行和	श्रीन	H 11	यन व	गानः सि	वतस्तत्र र	ार्थे दे	विशि	थे गा	यते। चं	ते कामस	umarri.	ré fa Drani au Mofin u 2 u
- Commercial	CALLED A						-		in the same		e in a	-	11-14	4	610	क स्वात	व पहल	ः स्या	ास क	41 19	ा ।तन	ना दाई गु	मा क	रनेसे विधि खम्भ होती हैं

				=								-			-		15	1	- CONTRACTOR	1	- 1	C	_ 1	2903	1		1	- T- 1		of mer on अनुर्वाण २८३४४६ जीव्यक्त समित्रो विशेष जी की
योगाः	河	1 81	H P	16	8	MI.	ग्रहर	: 3	न.	२०	1	1 5	तान	7	80	96	114	4	₹. उ.	₹.	अ.	16-	₹.	<u>ਚ</u> .	100	150	आ-	(-44-	·HCI	। गणः ७० अहर्गणः २८२४४६ श्रीष्मर्तुः दक्षिणे रविः(अ.न्ये-कृ.)
필지.	9	T	9	9	۷	14	6	17	8	2	2	4	9	के	38	. <	3	8	119	हाद	9	99	२४	38	म.	84	ar or	, c	55	asin.
मृत्यु.	2	T	2	9	4	3	8	9	३४	ù	2	9	36	वा	12	4	9	2,0	भ९	६१५	9	32	३५	90	मक	₹.	100	ພລ	W 30	म. १३ उ. को इवः देहे ग. १६६
ਚ. ਜ਼.	3	H	3	4	4,8	N	14	8	4.6	वै	R	3	92	वि	20	4	89	9,0	9190	हाद	0	93	२६	9 8	मक	₹.	or o	m 3	55	स. दे था. पुनः हुने तितः ५० ग. दे व काली
मित्र.	*	ब	B	0	90	ध	1 8	0	0	fa	13	2	1	वा	3	9	09	0	1190	510	0	38	२७	90	क.	46	or o	755	55	िष्यादयः वीक्षत्र ३ %
श्रीवल	4	गु	-	2	3,0	घ		0	4.6	र्य	1 3	२	२२	की	9	4	0 6	1	1190	हाः	10	99	20	9	ं कुंग	٦.	00	ישע.	55	भवायां तृ. गुरू पुंच ग. २ इ
सीम्य.	3	1		4	83	2	1	•	98	अ	13	9	84	ग	8	3	ξ (1199	६।६	18	98	ર્વ	36	भी	30	00	יא ניה ד בר "ל "	22	स. है दे उ. प्रायों मीनः दे रेग. दे संयुत्ते तुवा ।
कालदं.	9	27		1	83	9		-	26	से	7 3	0	92	वि	ξ	9	2 8		4199	६॥	18	133	३्ट	2	मी	न.	000	009	2.2	भ ९३ था.
स्थिर.	-	1		18	2	177	7 5	0	२४	ओ	7 3	v	३६	वा	E	m	3 6		9199	E.15	38	96	9	२	मी	न.	a s	790 790	ω: 3°3°	जुलाई मास ७ ता- ३१
मातंग.	9	F		18	4	1	1 9	9	4	3	1	३	२९	ते	4	12	8		भावर	६॥	32	99	3	3:	रे मे.	99	Cr.	12012	2 3 3 E	
झनृत.	90	7		12	4	3	7	0	34	1	5 9	14	43	च	100	13	0 =		शावर	EI	36	20	3	2	र मेव	Ι.	or :	200	5-3-	म. इ. उ. दे या- आद्राता हुवः वर्षः यः दे वर्षासाः मार्क् वर्ष
Q. F.	35	1 9	7	2.6	2	3	1	8	2	F	- 9	13	38	च	0	9	4. 9		भागर	₹11	2	29	ध	2	३ बु.	8 0	6	0 V 20	2. 2. m 20	यागिना ११ सवणम्
प्रदोष.	9:	1 9	[1,2	14	1 5	5	8	3,5	द		v	26	त	3	14	9 3	8	4192	513	32	२३	4	3	र चृष	[म.	or a	2 2 C	W 70	पुनवसा सर्वः र्रुः स. स्टा. पु. च. चा. माह्य च. क्षष्ठः
मित्र.	9		1	9 <	1	1		200	8 5	4		80	3.00	-	9	3	8 3	39	भावर	द्राव	14	२३	Ę	2	(A	40.00	a a	o ev m	53	स. ३६ उ. ५३ या.
EK.	91	2		13	4	4	TI C	14	30	B		14	90	श	99		04	9	4193	411	१७	28	19	3	9 म	थुन.	or!	ストン	55	
अमा-	N.	7 3		6	*	1		19	20	1	1 3	-	34	ना	, 8	8	६ ३	BE	भागन्	15,12	10	24	6	2	्क.	3 0	1	rs r	3"17	
	200	- मं	500	10000	100	Miles				THE REAL PROPERTY.	0000	STATE OF	To the same		c H			THE REAL PROPERTY.	1000000											अ. १२ आ. इ. ३० स. इ०१० ग. ८४ अ. नोचरग्रहाः -स्०
	*					4	100	/	F	1		H	3	J	3	2	1 3	T	के									उद्द स्		世 · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
13.	1			Į.	3	1	1	9		- N. S. S.	1000	ESS-	2	100	100													ादा सा हैगा अं		₹90 ₹ 8 9 年 10 9 14 (東北京、東)
14		1		5	/				1	1000	9 60	1			3	100			45	तिस	वेंख	100	! स्त	<u>स्म</u> न	रावा	। स	ग अव	रंशी जी	itt	रिर रेश १६। ८ र७ रे९ १२ १२। य.
N.	4		1	X	च		12	7	1						4				PERSONAL PROPERTY.									हं चा		१९४३ ३३ १४ १७ १५ ७ ७ ६ १२ १४ १४ १४ १४ १४ १४ १४ १४ १४ १४ १४ १४ १४
-		1	/	DE .	1	~		95		1			-	Sec.		-	-	-	COMMON TO SELECT	चवल भाव				वर	ामरव	वा पा	तल	संबा	का	181201
	1			9	1		1	म	-	100 2000	0000000	0.0000000	2000	O HATANIA	0 9	3 9	2	1	2		-									484848884 4 49999 0 8
1/	U		19			1	0		1	14	8	576	93	<u> </u>	81 T		T	1	onit	PE (C)	7 2	यो स	19.61	नश	गुण्य	ते ।	वाबन	मासे म	प्रवेद्ध	हत्त्व गर्यस्य वृद्धने वृद्धा ध ह ॥
Car Trade	1									rie :	मेपा	和	पुर्य ।	ते हैं	6年	गास	जार्ग जार्	नेवे	तृष् य	ध च्ये	8. F	धेतु न	E OF	HAIS	इत्य	गिदि	ऋमस्	वे जिल	राहि	दोमें समें हो वैद्यालकार्युगमनासे मास जानना-
	100									1		-		-	-		SERVICE STATE		PENSON NO.	DESCRIPTION OF STREET			Order of the last	and the last	STATE OF THE			The state of the s	1201 100	



योगाः	ित	SI	पार	क्र	ग्राप	31:	सं.	२०	१३	शा	कः	१८७	e	R .	र. उ.	(र. अ.	情.	इं. ह	ृ. खन्द्र	ः । प्रा.र.स्प	- गति	ो गणः ७० अहर्गणः २८२४४६ श्रीस्पर्तुः दक्षिणे रविः(अ.ज्वे.कृ.)
स्य.	9	•	98	(पू	८३	8	व	24	10	के	98	4	200	918	६१५१	99	२४	४ म. ह	d was	23	
मृत्यु.	2	चं	२१	4	उ	86	38	¥	२९	86	ग	२१	4	93	419	इन्द	92	२५	१५ मकर	N 0 W2	35	म. ५३ उ. मृते हुन: ६३ म. १४०
च. ∄.	The same	Park and	10000	-	10000	South	1	1	300 m		and the last	1000	-		San	इा५०		_			3.3	म. दे था. पुनः वृषे तितः ५६ ग. १५ के
नित्र.	Name	1000	The same of	-	_	Sec.		September 1	A CONTRACTOR OF THE PERSON NAMED IN		Second Co.	-	-	-	-	६१९०	-				1163	["सितोदयः पश्चिमे हुँ हैं
र्ध्ववस	Carlotte.	- Street	and the	-		Culina:	The land		38	the water		-		16-140	The same of the sa	६140	1				22	
सीम्य.	A section	and the		-	-		Section.	A STATE OF STREET	-	A COLUMN	Marine Land	-	-	-	The second second	६१ ८९	-	-			255	स. हुई उ. प्यायो गीमः १६म-१३ नियुने बुखा विकास
वहलदं-	The same		18 A 76 LEEP		ASSESSED BY	The State of	STORY OF	S. Commonweal	and the last	Spinor VI	S. Contracts	-	All Property lies	September 1	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	६१४९	_	-		-	255	स. ६२ या.
स्थिर.	1000		Salaring to		\$55000 IS	Eller Com	Million Ch			2000	PARTIE N	1	Samuel S	AND DESCRIPTION OF THE PERSON NAMED IN	Section in the last	६१४९	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	-				जुलाई मास ७ ता- ३१
The state of the last	A POPULA		-	1	-	-	ALC: U		1000	1	1	-	-	-	-	हा८८				3 000	75	
A STATE OF THE PARTY OF THE PAR			The state of	10000	1	Acres April	Contract of the last		AND DESCRIPTIONS	The same of	A SECTION	-	Same	-		₹18८	The second second	-		1 9 m	-	
\$	MINES CO	200	1	1000	-	1	-	1000	A CONTRACT	-	-	-	-	-	-		-		-	8 0 000	57.57	
1	Service !		Santa.	A	Section 1	City and	THE PERSON	2000	Warrie .	Maria Land	A	The same of	Acres 15	Section 1	-	E185	-	-			33	पुनर्वसी स्विः ट्रेट सं. स्वी. पु. चं. चा. महिष च. क्षेप्रः म. ट्रेट्ट स. १५ चा.
神灵.		Section 1	1000000	100000	-	1000	No. of Concession,		1000			1	-		-	-			-	5 0000		
35.	1000		-	1	-	-	-	2000	1	2	-	-	-	and the		the second second	Allen and a	-	-	A. 000		
अमा-	-	-	-	-		4,7			-		100		-				CONTRACTOR OF THE PARTY OF			g rare	CONTRACTOR OF STREET	Law to the same the same to
-	ASS STATES	1 1 2 2 2	PER	Market Street				10	Sec. 1	L. office	Charles .			-	3-1				क्लम् Ж			
	S			5	4 E	1/	1	-	-	-	-	-		-	3					विका उद्दर स्त्र चपदा स		र में बु गु श र है।
3.	1	₹.	7 .	₹ ,	X	9	1	13	90	2 0	8	3	30		93	स्त वस	अफीन	वहं व	का भाव है	ज रहेगा	जीर	२१०२ ४ १ ६ ७ १ ५ इस चे ह
IN		1	1	/		-	1	3	999	1 19	A COLUMN	48	Str. No.	STATE OF	20					उण अरंडी । १न मेहं च		24/33/93/98/98/98/98/98/98/98/98/98/98/98/98/98/
1	9	1		4	9:			(1800)	MARCHAN CO.	MENTAL PROPERTY.	0.0000000000000000000000000000000000000	1/2 (03)34	AND RESIDENCE	A DESCRIPTION OF THE PERSON OF						ध्य पहु प पीतल तांब		१२२१२६ ४ १४२१२७२७
1 2	1		8		1			4	93	190	90	9 8	98	3	1	बाब मंदा	रहेगा	1				95 93 1119 0 18 62 3 3 1 31.
11/	या	-			90	1	1	161	846	193	138	+	+	199	99							148146158151+14193139110

कुण्डरदाः मासज्ञानम् । वैशास्त्रे स्थाप्ते मेथी यावद्वानुश्च गण्यते । तावन्यासे मवेकस्य गर्यस्य वयनं वया ॥ १ ॥ अवं मेषका सूर्व हो तो वैशास्त्र व्यक्ति पृत्रवन्त्र ज्येष्ठ, सिञ्चन्त्र आषाद शत्यादि क्रमसे जित सांसिर्वे सूर्व हो वैशास्त्रादेशगणनासे मास जानना

ADDRESS OF THE PARTY OF	ALDERIN	METORICA .	and the same of	Marine I	BERTH	AND SEC	TO SERVICE STATE OF THE PARTY O	00000	EAN E	MAL PROPERTY.			approximate the second			THE PERSON NAMED IN							
																					प्रान्दन्स	-	-
प्रचाप.	i i	1	0	N.B	5	879	२६	E.	3,9	d	4	n	38	334	4133	६।६७	२६	9	२९	कर्क.	NWW.	55	
द्य-	13	7	48	२८	0	0	0	0	0	o	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
यानंद.																					1, 20 a. w	37.37	5
चर.																६।४६					~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~	10 T	3
गद्.																हाइह					www.	3 3 3 T	
श्रुग.																£18¢					200 C	33	
सन्त्र.																६।८५					0 0 9 0	33 55	*
प्रा. क	6	T	25	4	自	र्ष	13	सि	40	83	वि	0	५२	80	दावुद	६।४५	३२	90	६	<u>a</u> . 3	10 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	73	4
महरी.	9	चं	2.8	22	911	38	8.8	सा	8.	93	501	२९	26	83	9199	हाअन	9	38	O	तुला-	900°	33	Els.
ध्वग.	30	27	Q o	93	杨	इ९	३२	52	88	83	ग	30	93	99	9199	इ।४५	R	30	4	F. 33	00 yo	9°9°	0
Ų. N.	33	E	३२	30	300	83	12	a	88	98	व	9	94	88	वावद	£18.2	3	96	9	वृश्चिक.	Wa 2.20	7,3, 6) A	70
कालदं.	92	13	39	२८	3	84	99	Ħ	8६	34	च	₹	५३	83	919६	£188	3	93	90	ध. ४५	more over	22	197
यदोग.	33	31	39	30	म्	48	२६	7	80	36	की	9	२९	83	419६	£188	9	२०	99	धन.	mm of or		
आतंग-	38	श्र	88	98	मू	50	a	वि	86	eq	37	33	५२	80	५19६	\$188	To the	53	92	धन.	30 30 V	9 0	3
पूर्णिमा-	94	₹	86	90	ष्	0	35	वि	90	83	वि	98	३६	200	91910	६।४३	10	२२	93	म. १७	m 3 00 9	30	T
-	eparate popular	at serve	-	Ţ1: 4	CENTRAL PARTY	140000		अ.	938	भा. इ	3. 6	स्. इ	010	ग.	99	->	東市	र्धित	गंति	तलस् 🎉	4-		Я.

चन्द्रदः रामस्योत्सवः

विवेसी तुवः ३% ग. ३९१ जिल्हेज मास १२ मु. े त. ५५ ड. ४३ या. मागी सितः ३५ रा. २ है। देहे ग. १६

गणः ८५ अहर्गणः २८२४६१ त्रीष्मर्तः दक्षिणे रविः

1. 37 3.

[§वायुपरीक्षाः च्यासः १५ मन्वादिः

ा. 🖧 या. कर्नेकी: पुढ़ कर्ने बुध: हु म. ११४

गळा आवण. [*१२ देवदायनी ११ सर्वेषाम् विष्णुरायनीत्सवा ुच्चे बुधः १३ ग. ११° मन्बादिः िचातुर्मासकतारमः

य. १९ उ.३ देया मधायां च गुरु: ६ ग.* (प्ये स्वि: ^२ सं. खी. वं. सं. वा. जंबूक ब. ‡

[ंसम. इरिवासरो नास्ति. र. १९ उ. मिथ्ने सितः ३३ ग. ३६

a. ३६ या. सिंहे मानुः ३५ व्यजारोपणं§



१४ आ, जु. १५ स्. इ०१० ग. ९८

र में व गुश श रा के 3 90 3 8 2 8 9 9 4 28 92 90 0 28 99 99 83 88 89 8७२०५२ २३ २३ ७ ७ ३६ ४ ४९ १८ ३ ५७ १२ ११७ १२ २६ १६ ३ ३ ३

9 999319686 + 9999

🖘 गोचरप्रहाः 🤃



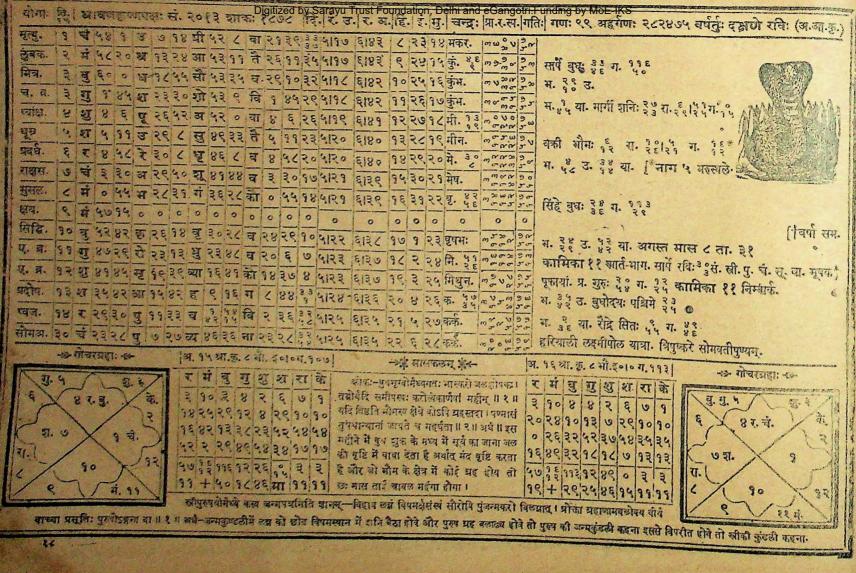
₹. चु. ३ 92

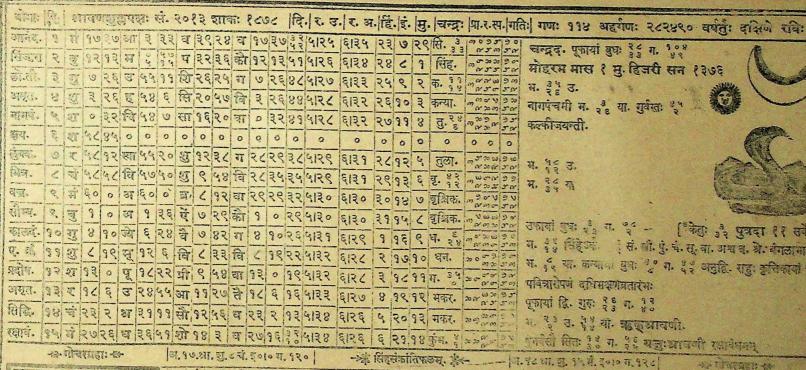
५६ १२ १११ १०१ ६ १२ ३ ३ १७५९ ३२ २८ मा. + ११११ कस सम शुक्त उदयः पूर्व क उ. स. उ. पू. भूमे.

बागाद शुक्रपक्ष ८ रवी कर्केडर्कः प्र-ना-४ न-५ वारनाम घोरा शुद्र सुन्ती नक्षत्रनाम महोदरी चोर साबी राज्यां च-या-च्या-मोरक्षकान्हीत दक्षिणे गमने नैकीलां दृष्टिः बालव करणे बढी मध्यम कल बाहन व्याव उपना अध भीतिक्रल पीत वस्त गदास्थ रौप्यपात्र पायस भद्रण कुंकुन लेपन भूतजाति आती पुष्प कंकण भूषण पर्ण कचुकी कुमारी अवस्वा वैठी मुहुर्व १५ धान साव तेज धातु कपड़ो तेजरस

कुण्डला दिवारात्रिजन्मज्ञानम् ॥ सूर्वीच छग्नं यदि पङ्गृहान्तरे भवेतदा जन्म दिवा वदेवुष: । स्यासातमे यस च तस्य सार्व तदन्यवा

चेळाननं निशायास् ॥ १ ॥ अर्थ-कुंडलीमें स्वेसे छः परतक छा होने तो दिन का जन्म कहना और सातमें सामका और १२ परतक रातका जन्म कहना-





चन्द्रदः प्रायां बुधः ३५ ग. १०१ मोइरम मास १ मु. हिजरी सन १३७६ नागपंचमी म. ३ या. गुवैस्तः ३५ कल्कीजयन्ती.



उफायां गुनः र इ ग. °६ - विकेता ३१ पुत्रदा ११ सर्वेषाम् या. हुई सिंहे जी हैं सं. की. पुं. चं. सू. वा. अश्व व. क्रे. बंगाता माद्रपद स. १८ या. कामाना सुना १९ ग. ६३ अनुहि. सहः कृतिकास म.* पूकायां द्वि. गुरुः १६ ग. ११

भ, ३३ उ. १५ यो. ऋक्आवणी.

रहिर्रेर्म १५ १३ वर्ष १० १०। 94 8 2080949292

आयण शुहुपक्ष १० गुरी सिहेडकः प्र- वा- १ स ५ पार साम मंदा मणक दिज एकी स्थाप साम राक्षमी चाण्डाक छुली अपराज्ञांना वेदपानंति पूर्वे गमने आंग्रेयां दृष्टिः विगज गरणे वैठी मध्यम पाल वाहन महित्र उप वा- उष्ट क्रिश पाल व्याम वस्त तोमर आयुष संपर पात्र दिविधार्ग अस्त रोपन मृग जाति अर्कपुष्प मधि भूवण पाण्ड कंजुकी प्रगल्भावस्या वैठी मुद्दते १५ भीन भाव तेच वीत् कपको तेज रसकस तेज शुक्राउदयः पूर्व क पू रा उ. मू. हार्ने

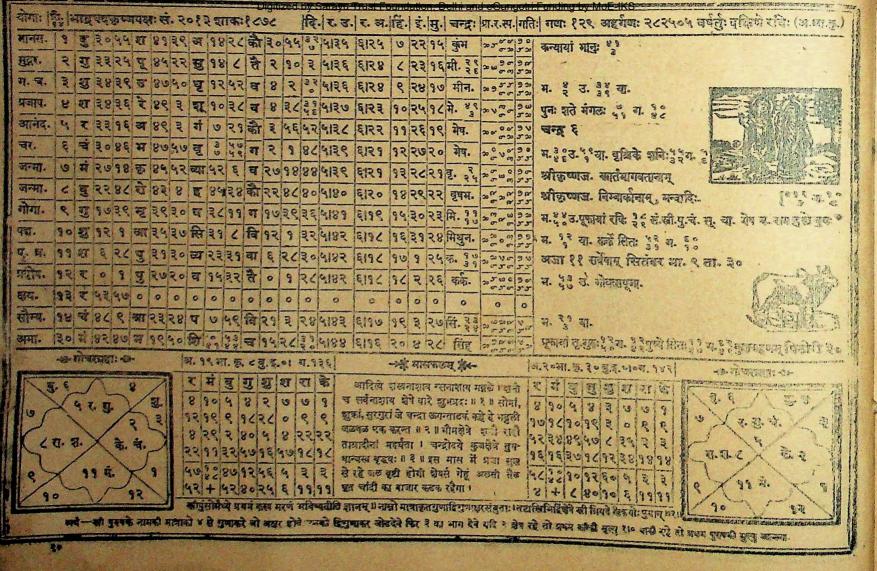
रह व इद्द्रिश्च ४० ५८ ३७ ४७ e 199 39 90 99 90 89 89 9035809289 0 3 १८ + ११७० १६ १९ ११ ११

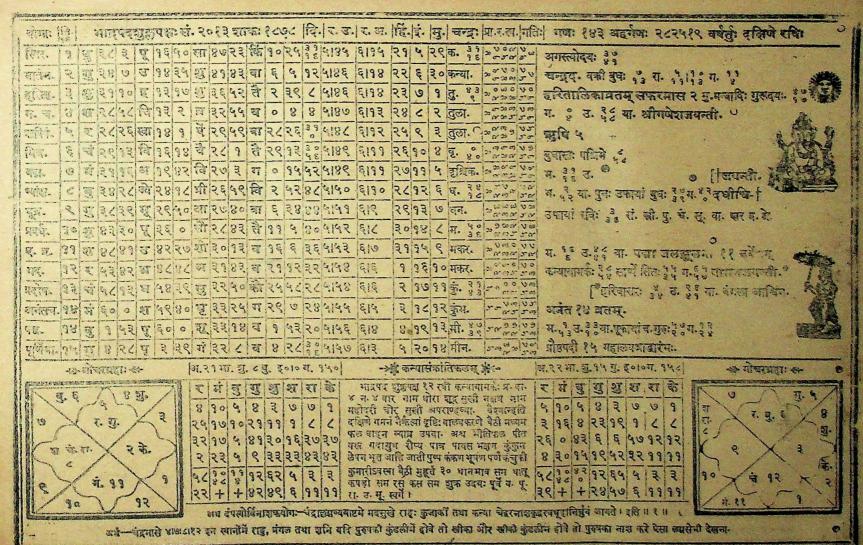
२३ २ ३६ १९ २९ ९ ६ 4. 99

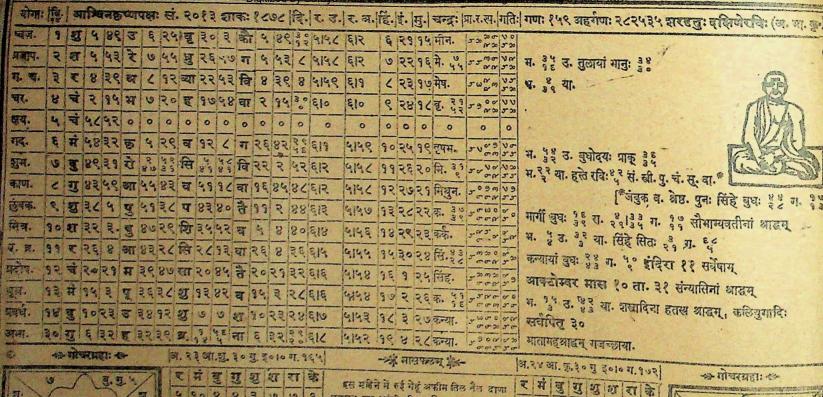
中人们可以现在的人体

प्रमुख

जन्मसमयादिवादपर्वहारक् ।। शुकार्यद्रात्सहमे यहतं तत्संस्थातुस्ये वत्तरिक्तें दुवे वा । स्युद्रहो वत्तरे वद्यान्ते वंशा स्ल तत्वविश्वनानीयम् ॥ १ ॥ थन्यच —सिवात्रिकोणराशिचे ग्रवमेनेद्धि गोवरं । शयाश्वसारा समेदिनार्यं नुदिनात् वदेल् ॥ १ ॥







म. ३५ उ. तुलायां मानुः ३४

भ. ५ ४ उ. बुघोदयः प्राक् ३६ म. २२ या. हत्ते रवि: ५२ सं. छी. पु. चं. सु. वा.

िंजंडुक व. श्रेष्ठ. पुनः सिंहे बुधः ११ ग. १३

मार्गी खुवः ३६ रा. १९१३ व ग. १७ सीसाम्यवतीनां आहम् भ. पुं त, ^{3 र} या. सिंहे सितः रुष् ग्रा. हुट कन्यायां बुकः ११ ग. ५० इंदिरा ११ सर्वेषाम् आकटोम्बर मास १० ता. ३१ संन्यासिनां धाह्यम् भ. ^{१९} उ. ^{१९२} या. शचादिरा हतस्य श्राह्म्, कलियुगादिः सर्वापित ३०

अ.२४ आ. जू.३० सु इ०१० स.१७२

४२ ३४ २४ ४२ ८ ३६३६

🖘 गोचनप्रहाः 🕾



सियाडा इलदी अजवान एत चणा ससर सुबर मटर मिरची पीतल का भाव तेज रहेगा और मोठ बाजरी चड़टा ठड़र अउसी लान दक्कर मूंग सोना चंदी अल्सी कपड़ा सरम् युत वस्त्र का माव मंदा रहेगा। 199 + 1 + 128 40 6 199199

कृतस्य बीवतो वा कुण्डलीवसिति कानम् जन्माङ्गरेशस्य सम्भवद्यं युतिश्च निप्ताष्टमनाथमेन । लग्नेशसंस्थरीवभक्तशेषेच्योजे सनेकाथितः कृतका कावशा था पुण्यकामात कारण असम्बद्धा ॥ १ ॥ अर्थ-जन्मकाहरमाहप्रश्रकाह बनको लोड अष्टमेश बैठा हो उस राशिसे गुणा करे लंबेश बैठा हो उस राशिका भाग दे श्रेष जो विषय अंक रहे तो जीतेकी कीर समांक रहे तो गरेकी कुंडकी ग्रहना

छद्दसन सण अरंडी बीरा धनिया गुड़ लाख वरत्

६ र. सु. चं 92

A 2	-
100	

	in	原:	वा	िख	नश	कुप	स्यः	सं.	२०	१३	शा	कः १	८७	2	दि	. र. ड	. र. अ	.हिं	一、	13	.। चन्त्र	भा.र.स्प	ंगित
	व्यव-	13	A	13	34	वि	३२	19	वै	149	4.0	व	3	134	3 6	हार	19199	120	115	Re	तु. १४	2003	0° W
-	制電.	२	श	9	48	खा	3,2	40	वि	85	38	की	9	98	92	5190	नाप०	2	· Co	3	तुला-	2 0 0 C	20
	व्यात-	3	2	9	२२	वि	38	80	भो	88	96	T	3	२२	4	६।११	4188	23	0	2	वृ. ३९	2000	20
	ग्रानस.	8	चं	9	99	अ	30	40	आ	84	9	वि	9	49	8	६१११	4186	२३	2	n/	वृश्चिक.	2000	~ 5 T ~
	मुद्गर.	4	सं	3	48	ज्ये	४२	90	ली	88	83	वा	3	9.9	23	६।१२	3185	28	9	8	ध. ४२	5000	5 2
-	ध्यज.	3	I	0	78	स्	80	३९	शो	84	9	ते	0	98	रद	६।१३	বাহত	२५	90	4	धन.	y "ω "	× 0
1	प्रजाप.	19	गु	23	३२	प्	13	88	अ	83	५६	ब	99	32	42	8118	418६	२६	199	=	धन.	, 20 w W	~ m
1	दुर्गाष्ट.																				म. १०	الا من سومو	25
	गक्षस.	9	श	39	8.8	3	0	3	ध	85	36	की	25	88	88	4139	4184	20	93	2	मकर.	المر لا مو	3.0
No.	गद्.	30	र	24	40	No.	14	23	TI	86	83	ग	२६	40	80	हानुह	4188	39	9 3	10	कुं. ३९	الم مو و مو	5 m
	ए. п.																3183					- C - S	y m
	मृत्यु																4182					20 20 3r	0° C
	मदोच.	35	100	३७	49	7	२१	49	阿	86	२७	की	ξ	₹9	34	5 MB C	4183	9	913	93	मी. ५	2026	5 X
1																	4189				-	weng	
1.81																						warm a	1 X Z
-																					पलम्		अ

तेः गणः १७३ अहर्गणः २८२५४९ शरहतः दक्षिणे पनिः चन्छ्रचः नवस्त्रम्मा, घटलाः

उफायां प्र.गुरु े मार्ड है असु प्र.गानिः ई ग. ५६ रविलावल मास ३ सु भ. ३१ उ. ्रिसितः १८ ग. ६९ सरस्वत्यावाहनम्-

स. 🐫 था- उपानग्रिताताम्

[*सार्गी औस देश रा. विशेष्ट्र च. वेद पूजायां ने

चित्रायां रविः 👯 सं. स्त्री. पु. श्. स्. वा. मूचक.व. म.*

म. ११ त. ४४ या. खरस्वतीपूजनम् हसे बुधः दुः म. " सरस्वतीविवदानम् सरस्वतीविसर्जनम् विजया १० मन्यादिः बीद्वजः

म. ५९ उ.

ण ११ या **पाशां** सहा ११ सर्वेषाम् तुलायामकेः 🐫 बुधालः पाज् 👯

बंगला कार्तिक.

कोजागरमतं म. ३% उ. अतु. त्र. सहुः कृतिकायां तृ. केतुः ६६

भ. १ या. ननान्नभक्षणं शरत्यूणिमाः कार्तिककानप्रारंभः

								Į
							के	1000
					0		9	
					8		Ą	E VIVE
3	६	83	99	85	33	80	80	
१६	४६	34	90	4	59	95	05	70 M C C C
					5,		3	
96	94	0	83	36	22	9 9	99	

क> गोचरप्रहाः ఈ



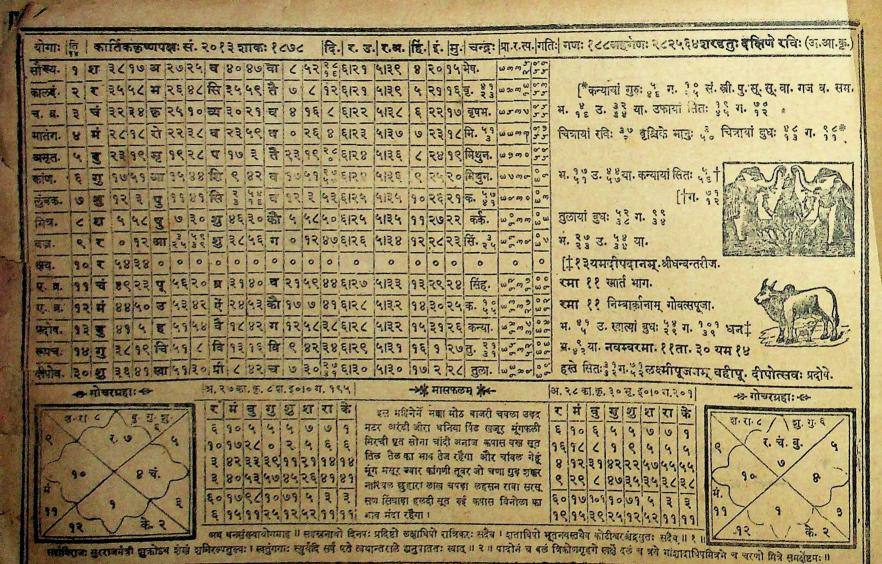
८ ४१ ४९३७५४ २ २ १८२५१० २ ४७४६ ४ ४ 4636403386 4

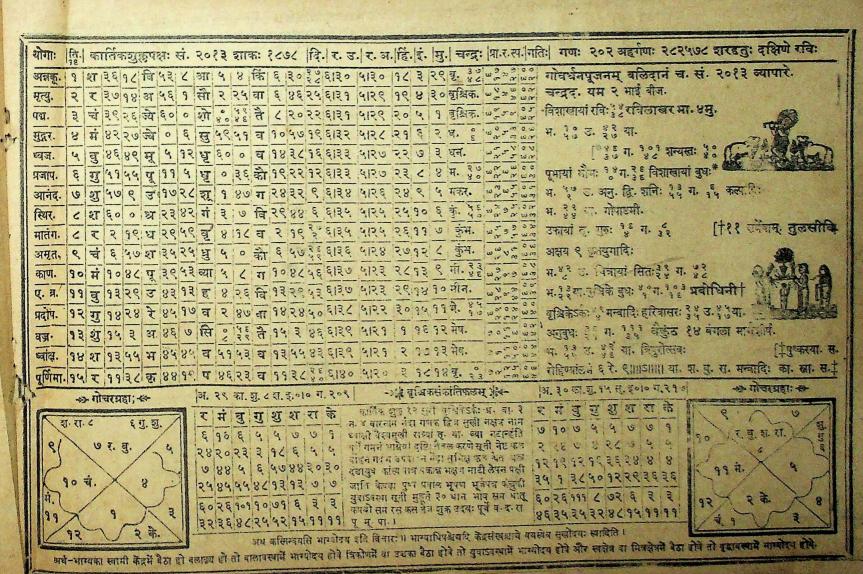
आधित दाल १९ शीचे तलायामकी: प्र. वा. र न अवारनाम महो (रो चोर मखी नक्षत्र नाम घोरा शूद नुस्ती राज्यां चतुर्वयाः स्वाः गोरक्षकान्त्रंति पश्चिमे गमनं वायञ्यां दृष्टिः कालव कर्णे कभी सहये फल वाइन बराई उपवाहन वृष्म पीड़ासल हरित पसा लहा युव लाझ पात्र मैध्य मक्षण चेत्र न छेपन सर्व जाति वकुल पुष्प मुक्ता भूषण हरित कंसुकी रंडा-ऽत्रस्या कभी गुनूर्व १० थान मान सम धारा कपड़ी सन रस कस समे शक्त उरयः पूर्वे व पू राज्यू मू भू अथ इंजमापिपवशेन ब्रहाणां पुत्रपुत्रीसंस्थां चाइ।

9 T.

प्रविकेदिशनाथनं तमप्रतिः राजी-वेद्ष्षिभेवेरपुत्राः पंत्र वदंति देवगुरुणा भीमस्ततीयं कमात् । शीर एत सता इत्यादि ॥१॥ अर्थ-जन्मवद्यते पँत

आका सामी हुई होने तो १ पुत्र शुक्र होने तो पुत्र मंग करोने तो रुप्त वीर श्वास कार मा अपने तो कारना शुक्रहोंने तो कारना ने होने तो दो करवा होने वो ते प्रवाह कार वह के विकास के से प्रवाह के विकास के स्वाहक और शुक्रहा कर वह बोध होने CC-0 In Public Domain, Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection





CC 0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

										Total .	1						-				-	-	URDEN T	
1	ागः		मार्ग	दिश	र्षक	wit	क्रः	सं.	२०	१३	शाव	5: {	20	= i	दे.	. उ.	र. ब.	हिं.	इं.	∃. :	चन्द्रः	प्रा.र.स्प.	गतिः	नणः २१८ अहर्नणः२८२५९४ होमन्तर्तुः दक्षिणे रिवः (ज.का.कू.)
乘	ā .																					9 m m m		
UE	स्.	2	सं	3	49	स्ड	इ९	99	सि	३३	₹8	ग	34	19	8 8	183	4179	G	२०	9६	मि. १९	3 20 20 10	00	म. 👬 व. ५९ या. मुनेल. गो. रे. ८॥॥ऽऽ॥। नृ.पं चं.के. मध्यम धुम.
4	1.	8	ä	49	8	0	0	0	0	9	0	0	0	0	0	° C	. 0	0	0	0	0	0	0	[⁴ श. रा. शु. मृगेल, ६ रे. शा॥।ऽ॥ चं. के. मध्यम.
1	Я.	y	च	43	34	सा	34	33	सा	२६	4	व	२६	9	3 8	183	4196	Ę	२३	90	मिथुन.	3250	00	घनुषि मानु १%
原	a .	4	गु	8.0	५३	I	39	३३	श्र	96	२७	की	२०१	3 8	1/8	182	4196	9	२२	94	क. १७	9 8 5 5	0 19	
31	पाल.	8	श्र	89	49	T	२७	२२	श्र	90	34	ग	98	18	रप्	F81,	दाविष	1	२३	36	कर्क.	9900	05	म. ६१ त. ल्येष्ठाया सुधः ५६ ग. १३९
一和	吧.	19	QT.	3,5	90	811	२३	98	a	१	44	वि	9	4	१३ ह	।४३	9190	9	२४	२०	सिं. ३३	2095	00	ा. ्रै या. सात्यां सितः देई ग. ५३ मघायां छ. ६२. ९८॥॥॥॥ छा. व
1 3	<u>ξ</u> τ.	1	T	27	R	य	99	23	चे	30	3,8	वा	₹ :	10	१३	(188	५,13 ६	90	२५	२१	सिंह.	9000	09	पुषोद्यः पश्चिमे
	4 . '	3	=;	24	24	Y	94	५६	वि	30	3,4	य	२५	24	११	1188	419६	99	२६	२२	कि. ३०	9000	00	
73	ng.	90	2	2.09	9	3	95	9	zñ	38	39	नि	23	9	38	(188	919६	92	२७	२३	कन्या-	3000	6.3	म. ९३ जा. हत्ते लगडगो. ११७ रे. ४॥॥॥ऽ॥
No.	7.	33	-	1 4 5	28	E	39	1	आ	36	58	वा	9.9	8	908	188	4138	93	२८	२४	J. 80	Succ	500	उत्पत्ति ११ सर्वेषाम्
N TR	ोष.	92	1	118	36	वि	30	1	सं	23	2.0	10	38	84	95	राष्ट्र	4194	38	२९	2,9	तुछा-	3 mars		, कृष्णायंत्रचतुर्दिनम्.
1 1		93	5	1	34	बा	90	93	而	36	30	च	93	14	38	184	9199	30	130	२६	मृ. ५३	3 00 m3	in the contract of	स. १३ उ. ६३ या. मीने भीमः ३१ ग. ३१
1 2	ч	98	RT	95	13	Ter	39	33	ध्य	95	96	श	93	24	93/8	६।४६	6198	98	3	२७	वृश्चिक.	9520	1 w 5	चतुषि बुवः ^{३,६} ग. ३६ डिसंबर मा. १२ इं. ता. ३१
3	मा.	30	T	38	1	य	95	14	H	38	92	en	38	1	9.00	११४६	4198	191	9 2	120	वृधिक.	19 05		
		43	a) e	KS.	हाः ब	-			अ.३	3 40	गे. ह	. 2 :	€ 5.	103	1, 22	8	9	→ #	मान	(PEP)	म्. Ж≪-	6	t	अ.३२ मार्ग. कृ. ३० र. इ.०।०ग.२३१ अ≯ गोचरम्रहाः उर
H		ę		1		9 2	./	1	3	11			a s	T	ा र	3	क्रीक: वर	गव छ	। सह	सद्दा	खः शनिः	ब्योर वासं		र मं हु गु श रा के हि.९ ० म.
		1	3.	₹.	₹.	1	I.			90	West -			9	9							वैता ॥ १		प्राप्त र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त
			1	4	1.		1		31	2.5 2.5	200	200	69	68	8 8							होवेगा प्र वृद्धि विवि		२५/8३/३८/१७/8०/३ २०२०
	-	9 2	1	X	4	. 4	-	1	89				उ			11000000000						मास मह	200	448288 6 8 8 9 2 2 2 4 99 4
	98	1	2	章.		X	8	15 100		२६				ξ.	R		खेगा H			-			_	विश्वेश्वि ८ ७३ व व व व व व व
1	/	1	-	1	_	R	1						18 1		19/9	91	मय तीर्थे ।	गुस्युक	तेड्यां	n; n	नेषनेशों	यदा सीम	य-	व कावतं हारावलां व्यक्तिवोसितं ॥शा
		329			THE S	i ear	d) s						CC-				वे वो वी	वस्याः वस्याः	तमें मृ	स्य ह	वि यदि	गुरु होने	वी श्र	पान में वह होने तो काशीमें पुष वा शुक्र होने तो दारिकामें मृह्य होने ॥
12					, CHARLE							17.00	CC-	J In	Pub	lic Do	maın. K	IITIK	ant S	har	ma Naj	atgarh.	Uelh	ni Collection

योगाः	(a)	भ	र्गाइ	तिर्घः	वुक्	पक्ष	सं	. २०	१३	शा	काः	१८	96	दि.	₹.	उ.	₹.	37.	हिं	[章.	ਬੁ.	चन्द्रः	श्रा-र-स्य	गिति	r: -
वद्य.	9	चं	18	३०	ज्य	90	५६	.a.	93	Ę	व	98	3	39	६।४	Ę	419	8	90	3	२९	ध. १७	3990	0 9	चल
छन्न.	2	TÎ.	98	9,0	म्	२२	40	चर	92	90	की	98	५९.	30	\$18	६	419	8	98	S	3	धन.	3000	E A	उफा
श्रीवत्म.	3	切	28	र ५	q	24	३५	र्थ	93	२५	ग	58	२५	4	813	6	419	8	२०	e	२	म. ४५	3003	200	म. १
सीस्य.	8	T	20	8	3	38	49	可	38	२६	वि	२९	६	9	£13	0	419	13	२१	Ex	ą	मकर.	9 0 0 m	5 3 5	स.
MH.	- Lange	E ST	38	२९	अ	89	90	म	74	88	T	9	85	4	£18	9	419	33	२२	9	8	मकर.	9000	55	
प्रचर्ध.	5	27	30	36	भा	80	33	व्या	98	46	की	9	8	8	इ।४	9	91	13	२३	6	4	事. 22	3000	500	चम्प
21515	1 19	7	88	98	TE	५३	2	3	90	प्र	11	77	42	3	618	9	91	13	28	0,	६	कुंभ.	9 mm 2	50	म.
मसल.	-	नं	80	40	च	915	40	व	36	12	वि	38	4	9	£18	1	न्रा	32	२५	90	0	मी. ३ १	9 20 50 W	0-30 100	ч.
मिदि	0	ri	60	30	- T	60	0	सि	90	88	वा	178	1	3.5	E18	1	91	12	२६	39	4	नीन.	3700	5 5	अनु
र्केसर.	90	ਰ	40	9	3	9	20	् च	98	23	र्नेत	29	98	200	E18	1	141	93	२७	93	0	मीच.	90002	535	रेवर
1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	9	3	40	4	3	3	49	ਚ	93	40	व	२२	3	40	६।४	1	41	92	20	93	90	À. 49	3000	000	સ.
T 7	9.5	27	100	6 0	33	18	48	T	190	3,10	व	29	30	45	६।४	36	41	92	२९	9:	99	मेष.	2000		
Taba	1 2	33	100	30	27	9	4	मि	6	96	系	36	83	90	E18	18	41	99	9	30	193	बु. १९	0000	500	धने
अपूर्यः	14	7	00	1	-	3	3.6	6	9	4,4	11	38	40	198	13	36	9,1	99	2	98	93	वृषस.	40 W	0 0 0	મ.
9,8.	113	-	0	3 - 3	2	9	40	ST	8/	23	fa	93	9	2 0	810	,0	41	30	- 27	30	9 9 8	मि. ³	V 0 20 1	7 00	भ्.
पूर्णमा.	11/4	्या	0		***	13 0	13 () 31.	33	मा.	51. 6	ं चं.	301	ं ग.	२३९	1		->3	८ अ	य भ	वसंव	iतिफ्र ा	₹ # ←		अ.३

चन्द्रदः मूले तम् श्रृत्भात्वादशुद्धम् च महणजदीनः [*मा. ५ मुउक्तायां चं गुरुः १२ ग. ४८ मूलेलमगंडदोवत्वादशुद्धम् जमादिलादलः
म. ५६ उ. विशासायां सितः ३१ ग. ५४ उषायां लमामावः मृत्युपंचकदीनः
म. २९ या. उभायां भीमः ५८ ग. ३१ उषायां तमं भोकृत्यं विकित्रे
[निरानी ४ अंग्रं ७ वायत् रे. ९॥॥॥ आ. पं

गणः २३२ अहर्गणः २८२६०८ हेमन्तर्तुः दक्षिणे गनिः

म. ११ उ. प्यायो बुधः ५३ ग. ३५

H. १६ था-

अंतु तृ. शनिः ११ ग. ५५ तमावां स्थ्यव्यतीपातत्वादमायः कर्यादिः रेवत्यां स्थापितः [‡मोध्यदा ११ स्थाती भागः

भ. रेड्रे उ. ५ था. वृश्चिके सितः इष्ट्रं म. १००० मोध्यदा ११ निस्था. पनेऽकी: १८ केन्स्रा पीय.

भ. र्धु उ. अनुमितः हेई म. इदं सन्युदयः है

मा स. १५ व. इ०१० स. १४६

भ. १, ३ या. द्सलवयंतीः



क गोचरप्रहाः 🛠



स मं खु गु शु श सा के ७ १९ ८ ५ ६ ७ ७ १ २८ ५ १३ ६ २५ ९ ३ ३ ३५ ० २१ ५८३१ ५२ ५४ ५४ १२ ४८३५ ७ २९ ३४३१३१

र सं चु गु श श रा कें ८ ११ ८ ५ ७ ७ ७ १ १ ८ १० ७ ४ १० ३ ३ ४४ ५० २९ २५ ६ ३२ ३२ ३२ १३ ३ ४ ११ ५३ १२ १३ १३ ६१ ३२ ३५ ४ ७४ ५ ३ ३ १९३६ ९ ३८ २५३८ ११ १९

भे- १२ व्या-भे- १२ व्या-

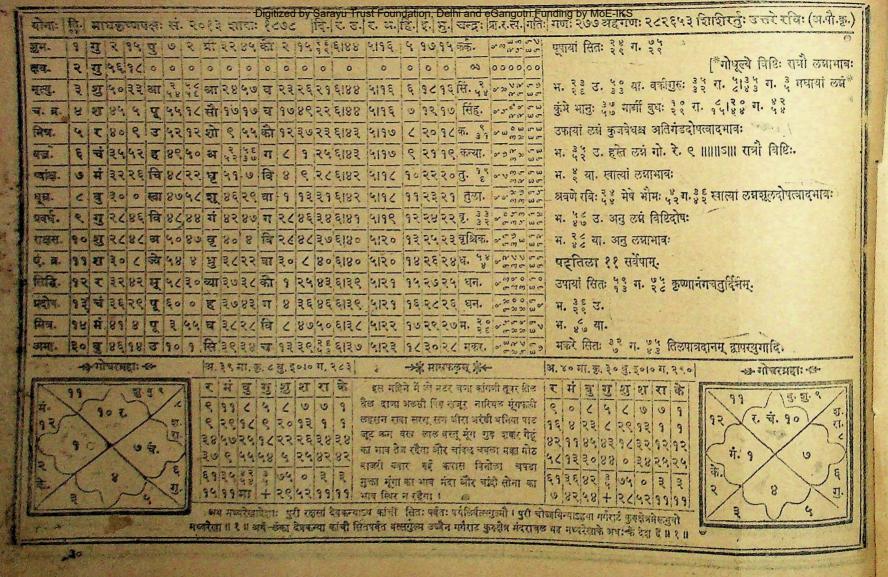
जमानुण्डत्युपरि पक्षशानम् ॥ यश राशी भोत्यूचैत्रस्मात्सप्तगृहान्तरे । चंद्रे शुक्को भनेत्यक्षक्षान्यका क्रण्यपक्षकः ॥ १ ॥

अर्थ-जिस राशिपर सूर्य हो उस राशिसे ७ राशिके भीतर चंद्र हो तो शुक्र पक्ष होता है और सात राशिके बाहर चंद्र हो तो क्रम्परख होता है-

कि कियक व्यापक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८ |दि. र. उ. र. अ. हिं. | इं. यु. | चन्द्रः |पा.र.स. |गतिः |गणः २४७ अहर्गणः २८२६२३ हेमन्तर्तुः दक्षिणे रविः (अ.मा.क.) भ में इस्पन्न का प्या प श अने १३ वर ८ २३ दे देविक प्राप्त 8 वट १५ मियन एक अला अल 107 न स ३०२७ प् ५११० ज ३३३९ ते ३ १०४९६१९० ५११० ५ १९१६ क. ३७ पल अज шल ३ मु २४४३ द ४७ १ से २५५० वि २१४३ १८६।५१ ५।९ ६ २०१७ कर्क. ১৯৯० ৯১ ১३ या. विशासायां च. सहः कृतिकायां हि. केतः ६६ ध स १८५१ सा ४२५२ में १७५६ मा १८५१४६६।५१ ५।९ ७ २११८ सिं. ५६ ४०००० मकरे मानः ३६ स्विरुत्तरे. क शा १३ ५ म १८ ५५ वि १० ८ ते १३ ५ ४५ ६१५१ ५१९ ८ २६ १९ सिंह. ५० ५० ५ इ र ज ३६ ए ३५२२ मी ३२३३ व ७ ३६ १४६११ ५१९ ९ २३२०क. ३५ ०० म. अ उ. ३५ या. -की वासा ७ चे २ ३१ ड ३२२४ सी ४८४० व २ ३१४५ ६१५१ ५१९ १०२४२१ कन्या. ٧٧% ७० 6 3 4 9000000000000 ब ई 4880 ह ३० १२ शो ४२३९ ते २६२५ ४६ ६१५१ ५१९ ११ २५२२त. ५९ ००५० कालां १० व ५२ ९ चि २८५६ अ ३७ ६ च २३२५४८६१५१ ५१९ १२२६२३ तुला. प्रमाणिक म. इड उ. ५१ या. प्र वर्ष मा ५० ४९ खा २८ ४५ ख २२ ४८ च २१ २९ ४९ ६१५० १११० १३ २० २४ तुला. प्रतिकृति ज्येद्यायां सितः, ३, ग. ५ ५ सफला १ १ साती भाग द व १२ मा ५० ४५ वि २९ ४७ म २९२१ की २० ४८५१ दा५० ५११० १४ २८२५ है । १ १००० ००० पूपायां रविः 👯 सफला ११ निम्बा. प्रदोष. १३ म ५१५७ व्य ३२ ५ ह्य २६५८ म २१२१५४६१४९ ५१११ १५२९२६ इश्रिक. ५%०% ०० म. ५३ उ. काण. १४ र ५१२६ जो ३५३६ में २५३२ कि २३ १२५५ ६।४९ ५।११ १६३०२७ घ. हुई एई०० इ.स. १३३ या. वकी तुधा दुँदै सा. इद्। ११ त. ३० सोमव. ३० चे १८ २ म ४०१७ व् २५ ३ च २६१४ है इ।४८ १११२ १७३१२८ घन. रिक्र क्रिक रेवत्यां भीमः ३३, ग. ३५ सोमवती पुण्यम्. →क्रे मायफलम् ३६८-अ, ३६ पी. छ. ३० चे. इ. ०१०म. २६० ब्र. ३५ वी. क. ७ च. इ. ०१० ग. २५३ -> गोचरप्रदाः -४०--- गोचरप्रहाः -स-र मं बु खु धु श रा इस महीनेमें चावल चवला महा मीठ बाजरी ज्वार स्र.श.रा 991/4/9/0199 हुई बपास बस्र विनोटा लान चपड़ा सोना चाँदी £ 3. 9. र. बु. चं. 9229 0 9299 3 3 , मोती भूग लाल वस्तु का भाव तेज होगा और 19619624 6 22 99 2 2 गेहं जो मटर मधुर चणा कांगणी तुबर गृष्ठ शहर 92 4. ६ चं. ग. मं. १२ ६ गु. ३१३४ ५ ४९११२३ २ २ तिल हैल दाणा अलसी भिंड साग्र म्ंगफरी मिर्ची रहसन रावा सरम् सण जीरा पनिया ६१३२३० ४ ७५ ५ पाट जट का भाव गंदा रहेगा। अब टाकान्मुनिक्षं वः दुर्मिश्चमिति शानम् । शकै विप्रायुति वार्णः शैंकेन्केऽध शेवके । ऋमान्मध्यं स्विधः व दुर्मिशं व सुमिश्वकम् । सबर्व सम्बद्ध देश जैकतो रीखे मुख्यम् ॥ १ ॥ अथै-इत्रको ३ से गुणावर ५ लीड देश किए ७ का भाग बेसा थेप रहे वह अससे १ मध्यम २ मुनिश्च ३ हुनिश्च ४ मुनिश्च ५ महंगा ६ समसा ७ होर दुर्मिक्ष जाननाः

सिव

बोगाः	-	-	-	-	-	-		-				-	_	-		2000		Street, street,	2000	VF 10-50 70		A STATE OF THE PARTY.	.र.स्प.	गतिः	गणः २६१ बहर्गणः २८२६३७ हेमन्तर्तुः उत्तरे रकिः
सिन्न.																					धन.		9200		
वज्र.	3	छ	2	३३	3	45	२	व्या	र	६१	8 =	र २	3	3 4	ξ[8]	4	419२	96	1 2	30	F. 2	3 0	2 m 0 c	-17	चन्द्रद.
घ्वर.	2	3	0	80	31	44	३३	18	र	७२	८ वे	ो ए	8	0 8	६१४	4	५19२	२०	३	9	मकर.	V°	2 2 0 00	100	बुधालः पश्चिमे 🖧 जमादिलाखर मा. ६ सु.
प्रजाप.																							4 04 0. E.	100	म. ४५ उ.
प्रवर्ध.	8	श	96	भ	ध	8	4,9	सि	२	68	< f	3 9	4	3	६।४	O	419३	२२	,	2	कुंभ.	V 0	7 e m e	100	म. ⁹ ८ या.
राध्त.																							709 v		
मुराल.																							3) 33 C. C.		
सिद्धिः																							37 m c		
डलात.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	-	Section 21	DESCRIPTION.	Married	-	-				and the same	-	-	-	-	2		_	-	-	1	The second second	2 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	7000	
मानस.																							2 7 7 6 6 7 6 7 6 7 6 7 6 7 6 7 6 7 6 7		
सुद्रा.	1		new season	-	-	-		Marine and		-		-	and desires	-			-		a principal districts	-	-	1000	2000	1	
प्. हा.																							1000 m		
प्रदोष.																									
आनंद.																							5 5 5 W		
				1	A.				1	3.00		the state of	and the same of	and the second	A Commence of	The same of							220	100	
पी. पू.	94	3	0	48	g	99	v	वि	80	36	व	0	ष्	3 9 5	६।४	8	419६	8	98	38	कर्क.	ora	200 C		
	47	गोप	रम	7:4	9-			4.	310	-			-		183		->	भ मन	हरसं	क्रांति	फलम् :	*		-	अ. ३८पी. शु. १५ तु. १०१० ग. २७६ 🖎 गोचरप्रहाः 🐟
	90	/	7	श. र	1. 6	7		₹	मं	[66]	-	-	श	रा	के						क्षेः प्र- क्षत्र ना		२ त्	व	र मं बु गु श्र रा के विश
99	1	7.1	I. A	1	/	9	Series of the se	4	99		4	1	0	0	1	राज	। नखी	राज्यां	हि.य	ा.च्या	। राक्षसा	न्हंति	दक्षिणे	9	99969699
		1	9	/	7		-	२५		1000	1		35								रणे कथ भ पीड़ा			200	र रुप १६ ९ १११३ १ १ ११ १२ १० स
	ਚ.	म.	X	& 3	g.	1		20	200	0.15	The second	Section 1989	The second	98		वसा	खन ।यु	भ ताः	त्र पाः	न मेक्	य भक्षण	चंदर	न लेपन		१८१२३८४३३७१६५९५९
9	13	/	9	/	J	4		The state of the s		1	The second	08	-	1 02	-	रंडा	वस्था	कभी	सहर्त	30		वि स	म धातू	1	9303000033
/	X	-	-	1	1									99		म् ।	हो सम र मृ. स्वर्गे	स्कर	सम	গ্ৰহ	उदवः प	र्व व	द श	9	1499+13(4945)9999
	क. ५	\	1	\ 	1		-				*		5	-	arai-		trans	Tiera	ाने च	विव	ाहे रा	विद्या	हे। शुमे	acti	प्रों ज मानावी सन्हों हाहरावाः श्रामः ॥
Miles.	99 T	- lake	100	a 8.	Ex.		0	ં સાર્	} v1	ाथान	गर्न	भान	सीम	त वि	वाह र	जयुः	द और	भी शु	भ का	यमें व	भीर यात्र	तमें द	ादशस	चन्द्र	द्र शाब है पेसा किसी आचार्यका यन है-



योगाः ति भाषद्वाक्रपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८ दि र. उ. र. अ. हिं. इं. मु. चन्द्रः प्रान्तस्य गतिः। गणः २९१ अहर्गणः २८२६६७ शिशिरतीः उत्तरे रिवः व मा ११२७ था १६१२ त्या ४०१४ कि १८/५६/३ हि ६१३७ । ५१२३ १९६३ १८ हे हैं है है के ध्वज. प्रजाप. २ शु ५६ ४३ ध २२ ५८ व ४२ ५ वा २४ १० देई : ३६ ५।२४ २० १ ३० कुंग. ३ श ६०० श २८५५ प ४२५२ ते २८५७ ३ ६।३५ ५।२५ २१ २ १ कुंम. आनंद. १ १२ प् ३४ ७ शि ४३ ० ग १ १२ ६ ६।३५ ५।२५ २२ ३ २ मी. १% चर. ध चं ४ ५७ उ ३८ १६ सि ४२ १८ सि ४ ५७ ९ दा३४ ५१२६ २३ ४ ३ मीन. गद. वसंत. ५ मं ७ २२ रे ४१ १४ सा ४०३९ वा ७ २२ १२ ६।३३ ५।२७ २४ ५ ४ मे. १३ ८ २८ अ ४२ ५७ श ३८ ० ति ८ २८ १६ हा३३ ५१२७ २५ ६ ५ मेप. मृत्यु. ७ ग्र ८ १९ म ४३ २५ श ३४२१ च ८ १९ १९ हा३२ ५।२८ २६ ७ ६ वृ. ३५ पदा. ८ श ६ ५३ छ ४२ ४५ व २९४६ व ६ ५३ २२ ६।३१ ५।२९ २७ ८ ७ मुख्य. श्रीवत्स. ० श ४ २० रो ४१ २ ए २४१८ को ४ २०२५ ६।३१ ५।२० २८ ९ ८ वृषम. वि० र ० ४३ म ३८२४ वे १८ ५ ग ० ४३ २८६।३० ५।३० २९१० ९ सि. १३ ०००० ०० 000000000000000 १२ चं ५११५ आ २५९० वि १११६ छ २३ ४७३१ ६।३० ५।३० ३०१९ १० मिध्न. प्रदोष. मातंग- १४ छ ३९ ५९ ए २७२५ सो ४८३४ ज १२ ५२३८६१२८ ५।३२ २ १३ १२ वर्क-मा. पू. १५ श रह १६ श रह १७ शो ४० ४२ कि ७ २ ३० ६१२८ ५।३२ ३ १३ १३ सि. दे ३ ००००० अ. ४२ सा. छ. १५ छ. इ०१० म. ३०५

चन्द्रदः फरवरी मा. २ ता. २८ रजाय मा. ७ मु.

भ. ³³ उ. उपायां चुवः ५३ ग. ६० उसायां लखं विविदोषः तिलचतुर्थी. स. ्रै, या उभावां लखं जन्मो.रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।ज्ञ. संबत्सर नाम साधारणः ै वसंत ५ धनिष्ठायां रविः ३३ रेक्त्यां रुप्तं युरोर्वेधः रथ ७ अरुपोद्यसानं. 👫 🐫 मन्वादिः

म. ६६ उ. ३ वा. मकरे बुधा ३१म. ६५ धवणे सितः

रोहिण्यां तथं कांतिसाग्यवादशुद्धम् भीष्म ८ रोहिण्यां छप्ने कांतिसास्यत्वादशदम्

म. ३८ उ. ५६ था. जया ११ साती. मुगे तथं ध्याहः

जया ११ भागः निवाः भीष्म १२ कंमेऽर्कः 👸 कलादि बंगला फालान. भ. ३% उ. भरण्यां भीमः ५३ ग. ३%

भ. ५ या. अवणे त्यः 👯 म. ५९ महत्युण्यम् भाषास्तानस

-» सी सरवहाः अ-



अ. ४१ मा. शु. ८ ए. इ०।० ग. २९९।

12/23/86/10/22/22/36/36

विवादहारण है जिया व विवाद

→अं कंथतंक्रांतिप्रसम् अं≪-

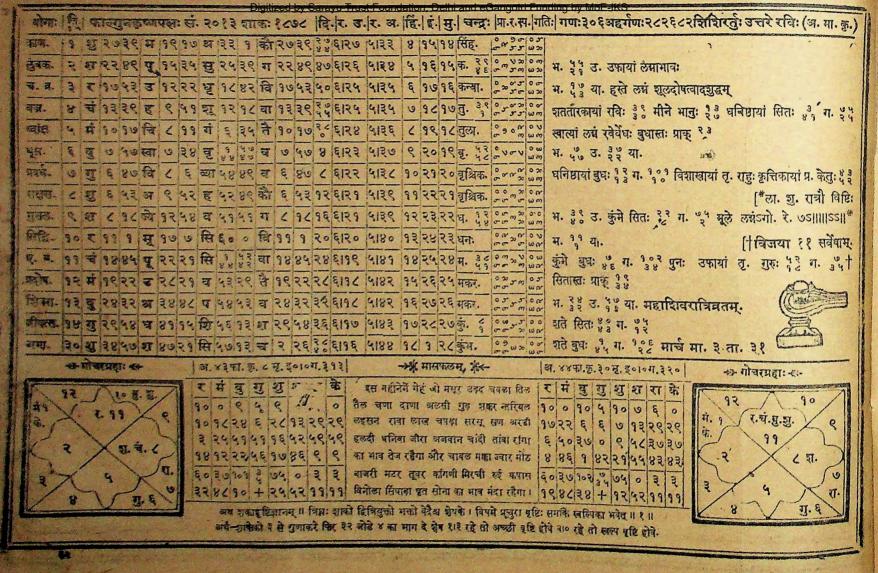
माव ग्राह १३ चीमे क्रेमेडक: प्र. वा. २ त. ३ वारनाम महोदरी चोरमाती बक्षत्रमाम महोदरी चीर गणी पूर्वाण्डच्याः राष्ट्रां हंति पश्चिमे गमनं वानव्यां दृष्टिः कीलन वर्णे अभी महर्षे पाल वाहन वराह उपवाहन वृष्भे पीहा फल हरित बस राजायभ ताल पात्र मेश्य मक्षण चंदन छेपन सर्प वाति बकुल पुण्य मुका सूपण हरित वस्त रेहा Sami कभी सहते ४५ पान भाव भंदा पात कपदी सम रस कस सम शुक्र उदयः पूर्वे व- प- रा- द-

ह ह ० १० ई ७५ ० ३ ३

जीर्णपं बांगस संज्ञान्त्यं मृतगरं बांगस्य संज्ञान्साम्यतम् । वारे रूपं १ तिथी रुज्ञा ११ नाट्यः पंजवरीव १५ तु ॥ जीर्णपत्रप्रमाणेन संज्ञातिनंतना रहेत् ॥ १ ॥ अर्ध-गत पंचांगकी संज्ञांतिके वारमें १ तिथिमें ११ और घटीमें १५ निलानेसे आगामी वर्षकी "कांति होती है



-४> गोचरप्रहाः अर्थ



काल

योग	m:	ति।	দা	ल्गु	— नगु	क्रप	क्षः	सं.	२०	१३	হা	कः	86	92	वि	. T	. ਚ.	र. थ.	6.	i.	평·	चन्द्रः	प्रान्स- ग	तिः। गणः ३२१ अहर्गणः २८२६९७ शिशिर्तुः उत्तरे रिकः
काल	i .	3	79	30	२२	पु	५२	86	सा	40	36	कि	0	90	8	इदा	94	4184	38	3	२९	मी. ३६	000000	
फुले व	η.	२	T	82	86	3	५७	92	शु	0,0	91	9 बा	99	६	8	८६।	38	418६	२०	3	₹0	मीन.	0000000	चन्द्रदः
मातं		3	चं	84	9	1	६०	0	शु	48	2	ते	93	90	4	२ ६।	98	418६	29	8	9	मीन.	00 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	
गुम		8	मं	38	38	1	0	२७	ब	43	80	व	90	8:	3	द द।	193	4180	२२	५	२	મે· ર [°] ડ	00 00 00	म. १५ उ. १६ या.
मृत्यु.		وع	व	89	49	37	2	30	मे	40	2	र व	98	9	2	٩ ६	133	4185	२३	\$	ą	मेष.	64.32 m	
पद्म.		2	ग	88	२६	भ	3	98	वै	88	8	। की	190	19:	8 8	६	199	4189	58	9	8	च. १०	250 E M	न कृतिकायां भीमः ५३ ग. 📲
छन्न.		19	श	89	88	क	2	43	वि	3.	3 0	38	9	1 4	1	६	199	4188	२५	2	eg	वृषम.	- w - w	म. इंदे उ. पूनायां बुधः उद्दे गः विवे
होल		-	श	34	2	ते	9 3	49	त्री	1 3	3	र वि	1 3	9	3	२ ६	170	3190	२६	९	દ્	मि॰ व	32340	म भु । दोलाएकप्रारंभ
घ्यां	-	9	E	33	39	आ	५ ह	8	आ	12	(2	७ वा	1 4	8	99	इह	19	4149	२७	30	v	मिथुन.	00000	
月	<u>.</u>	90	चं	24	23	ष	42	२७	से	12	3 2	९ ते	0	9	७२	0 8	14	वापर					20000	भ द्वे उ. पूमार्थ सितः १६ म. इरे
v.	a.	99	मं	22	88	प	86	(30	शे	7 9	8 2	- fe	रर	5 8	६२	8 8	10	19143		100000		No. of the last of	2 46 26	
प्रदो	च.	35	च	98	40	आ	88	3 2 2	् इप	1 9	23	ं व	1 9	६ द	4 3	18	।६	9198	30	33	30	सिं. ३	800022	
मर	লে.	93	3	90	40	म	8	0 23	ध्य	7 4	0 4	0 2	7 9	04	43	२ ह	।६		AND DESCRIPTION OF THE PERSON NAMED IN COLUMN	The same	- Comment	सिंह.	The second second second second	
1 200	A.	94	37	4	1	प	3 8	30	र श	18	3 2	५ ह	1	1 6	1 13	8 8	119	वादव	२	30	193	ap. 3	4 6 6 8 4 4	स. १ उ. ३१ था. उनायां कुनः १६ म. ११८० स्थाप
भाग		910	ST	40	3 /	0 0	0	0	10	-	-	0 0	, ,	>	0	0	0	Q			0	-	0	O Granditales to the median
41		MACHINE.	-			<			वा.	84	फा.	શું. ૯	श.	2010	. aī	३२	4	->	市村	नसं	स्रांति	प्रक्रम् १		भ ४६ फा गु.१४ एती. इ०१० ग.२३४। अन्योद्धरहाय क

₹. चु. चु. श. ८

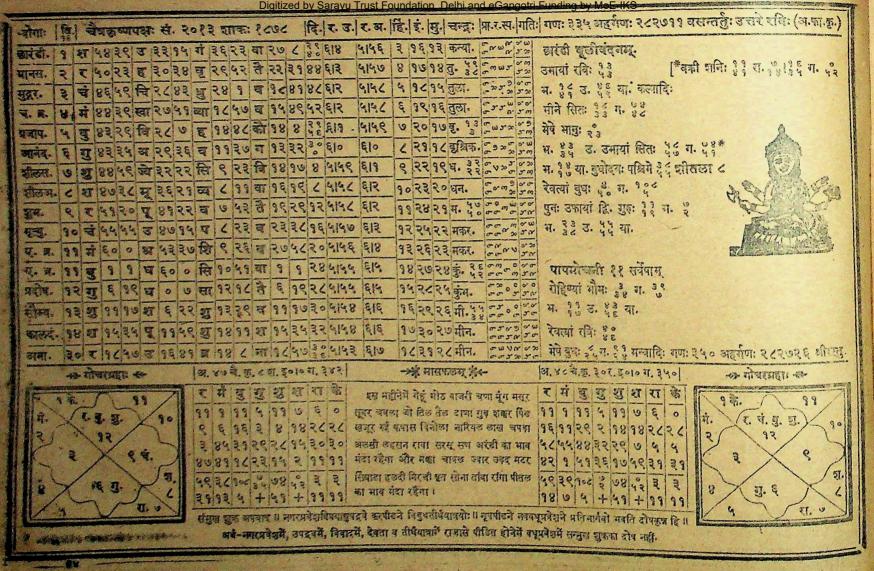
फाल्युन शुक्त १२ इचे मीनेडफी: प्र-वा- २ न- व वार नाम मंदाकिनी राजा मुली नत्त्र नाम योरा श्र

सली राज्यां चतुर्वेया व्याः गोरक्षतान्ति पश्चिमे गमने वायव्यां दृष्टिः तैतक कर्षे सूती नेष्ट फल वाइन गर्म उपवाइन मीड़ा सुभिक्षक येत वस्त दंबायुप कांखपान पकान मक्षण माटी केपन पक्षी जाति केवडापुण प्रवाल भूषणं भूजे पत्र कं चुकी युवादनस्या सूनी मुहुउँ ३० थान भाव सम्य पात् कपहो सम रस कस सम शुकास्तः पूजेर प. रा. दम्. भूमे अथ रोनिगां मरणजीवन वेचारः ॥ वरमशत-

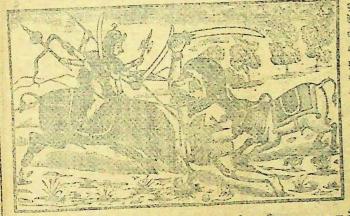
92 7. 3. 90 J. &

भियाद्रांस्वातिम् विवृद्धाभरवितविववारे भानुभीमार्कियुक्ताः ॥ प्रथमदिनचतुर्थी दादशीविष्ठभूता दरिदरविधिरक्षी रोमिणां मृत्युकालः ॥ १ ॥

अर्थ-आक्षेया शततारका आहाँ स्वाती मूल पूर्वा है भएणी नक्षत्र शनि गीम रवि गार शशहारशर तिथी इनमें चीमार हुए पुरुवकी नह्या विष्णु रह रक्षा करे तो भी मुख्य हो और इन तीनमें परुभी कम हो तो विका नहीं काल



लंकांतिवाहनं वराहः -र्शिन्धे- उपवाहनं वृषभः



॥ श्रीमणेशाय तमः ॥ अथ भक्तरसंक्रान्तिकवस् ॥ त्वस्ति शंमसूपतिषिक्रवाऽर्वतंवत् २०१३ व्यक्तिस्व १८६८ वर्वतंवाने तिम्यानामसंवान्तरे । विस्ति श्रीमस्वानामसंवान्तरे । विस्ति श्रीमस्वानामसंवान्तरे । तिम्यानामसंवान्तरे । तिम्यानामसंवान्तरे । तिम्यानामसंवान्तरे । तिम्यानामसंवान्तरे । तिम्यानामसंवान्तरे । तिम्यानामसंवान्तरे । वर्षाः १०१० समये अकरराज्ञी । त्वः संक्रमणं स्वात् । तता १०१० समये अकरराज्ञी । त्वः संवानाम देवानां राज्युत्वमः । अस्य पुष्पकालः परिवित्ते ॥ त्यः वाद्वनादिगक्तारे किस्त्वते । वास्ति १ वास्त्वत्व । वास्ति १ वास्ति १ वास्ति १ वास्ति १ वास्ति १ वास्ति १ वास्ति । वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति । वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति । वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति । वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति । वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति । वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति । वास्ति वास्ति

अय गुरुवारशिन्वारफलं लिख्यते:—इस वर्षमें गुरु कार्तिक वाससे कत्या गाँग पर प्रवेश होगा और शवि वृध्यिक गाँग पर अतः यदा कदा प्रजाको पीड़ा मय रहेगा सब तरहके पान्य उत्पन्न होगें क्या उत्तम होगी. वर्ष गारंभ की तिथी क्षय व पखनाड़ा भी तेरह दिन का है यह अग्रुम सूचक अवस्य है जिंत वर्ष के अधिपतियों के देखते तत्र व्यवस्था ठीक होती रहेगी चेत्र मुदी में पूर्णिमा के लगभग चांदी सर्व अन्य अधिपतियों के देखते तत्र व्यवस्था ठीक होती रहेगी चेत्र मुदी में पूर्णिमा के लगभग चांदी सर्व अन्य व्योगार की वस्तुओं में कुछ न कुछ फेर फार होगा तथा कमडा वस्तादि का मान तेन रहेगा चेशास मात में

पोच नुध-मुख्यार हैं और क्षुनी १५ पर चुन्द्रमहण सर्वभास है अतः भग मुख चैन से रहे पश्चिम देश में विग्रह रहे वह घान्य सोना का बाजार नरन रहेगा सुदी में रहे कपास गुड स्त धान्य धृत किराणा मासी लाल वस्तु चांदी तिल तैल मला ब्यार बावल आदि के मान कडक वने रहें में, ज्येल में पांच शुक्र-शनिवार हैं अतः गमी अधिक पडेगी राज्यस्थान मारवाड में तू अधिक तील-मतिसे चलेगी क्या पुषी रहेगी क्यास का भाव तेज रहेगा सुदी में सेअर्ड फांदी का भाव तेज रहेगा तथा १२ से एरंडाका बाजार गिरेमा, आबाड में पांच रविवार हैं अतः अन्न को भाव गई गा मया प्रपारती है प्रचार पतन चलेगा वर्षा होगी पदी में लांदी तेज रहेगी सुदी में रहेंका गाजार गिरेगा और चांदी घान्य अलसी में तेजी चमकेनी, आवण में पांच चन्द्र शुप हैं धन धान्य सुस की मुखि किंतु साथ में ५ संगठ भी हैं अतः पुछ प्रस्त भना में भय बना रहेगा रक्तपात का भी भय रहेगा वर्षी होगी प्रत चलेगा बड़ी ३ से वादी से आब में मरमी १२ से पाट बांदी गुड़ नेल भेज द एत का भाव गंदा जायगा, नाप्रपद में पांच इल-गुरु हैं और गुरू पक्ष में गुरू उदय हुना है अतः वादल उमड ग्रुमट के आवेंगे व वर्ग होगी की १० से पूर्व कई बरम रहेगी और शेवर्ष गेहं अवसी तेल एत सोदी का बाबार कडक रहिणा, पासिन के पांच शुक्र हैं प्रजा बढेगी सुख रहिणा बदी १० से एई नरण रहेगी सुदी में गुड गेहूं ठाल वरत् चादल स्वका का भाव तडक रहिमा १२ से पाट का बाजार गिरेमा, कार्तिक में पांच पिता-पुत्र हैं अतः प्रजा में यय रोग पीड़ा हो बदी ४ से एई का भाव गिरेमा व ८ से तेज होगा सुदी ६ से एएंड अनाज क्यान बस सून तिल तैल का भाव उतेगा त्य करा में मंदी दौड़ेगी, मंगसर में पांच चन्द्र व स्वीमहण है अतः वदी असावर बाद छत खांड अलसी रहे का बाद स्थिर न रहेगा घट बह चलेगी सुरी में गई क्यास मेदा चावल महा ब्यार तेल करण यह सोना स्थ कर का बाजार कहक होगा, पीप में पांच मेगल यह प्रवामें इंग्ल सुबक हैं साथ में प्रवेश तुभ भी पांच हैं यह सबको रामहाकर राती पर ही आंपना उंच पत्र फ़ड़ोप होगा रस पत्र पांदी में देखी के पेनान सुनाई देंगें सुदी १२ से छत काल वस्तू यक कई में सी तेजी चम्केमी, माम में पांच गुरू है जाता परिवा देश में विमह होगा हैं वहाकेकी गिरेगी रस यह मान्यावि का माप गिरेगा पांदी कई रोहें लाल वस्त्जों का यान बढेगा, फाल्यन में पांच गुरू है जतः प्रका बढेगी हुए शांती स्हैगी धान्य गूंग मोठ रोहं सह के बाजार में नंदी के बंगाम सुनाई देंगे चांदी का बाजार कडक रहेगा समझा तारा महत्वनगर्भ पर अल हुना है सो महस्यक और सिंच [पाकिस्थान] में धान भाव धृत का बाजार कड़क रहेचा गांवता वगेश थी होना। चेत्र शास में शनी वह हुवा है और बुव का तारा उदय हुवा है अतः हई अफीम दांदी गेहूं चना सा बाबार विरेण दरंड स माजार स्थित न रहिंगा यस काला नांदी है होजी रहेगी। यह सोनु से वह तेजी मंदी दोडी लिखी गही है दिन प्रति दिन की तेजी मंदी मास १ की किसी भी एक बस्तु की आएं मैपनेस बतान माती है और क्योतिपविभाग में जन्मपत वर्षप्रत मन होते हैं लावें बूर्ण वरिक्षम से किये याते हैं। ज का विस्त मेनकर विशेष विभाग के सुरीतम संगम देखें। पालन्योतियो, जुलाय पोश निर्माण (पालमारात) इस प्रोपर पत्र देखर पूछना ॥ श्रीरस्त ॥

		Intelatati Isti
	अवकहडाचकसहितवरचधुभेछापकोपयोगिशतपद चक्रम्।	型型型型型
	देशेवनी वृत्रेनील करें	तिबाहे शहाप्र १९११०
100000	THE PARTY OF THE P	भाराक साराक साराक
दिनका चार्घाडयाः	TO THE REPORT OF THE PROPERTY	भाषाह १।०१११ १।१६१
र चं मं हु गु शु श	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	स्वास्ये १२१११२ १११०।११
	अल्ब वतमा । प्राप्त अल्ब अल्ब	
लाश्चंका उसरो	वार्षा वा	वातकात्रम नेद्वसमे पाद्दाण २१३१४ १९११०
म से लाश चं का उ		1 1 10 1
का उस रे ला श चं		जलावर्षे जलावर्षे जाराद प्रापाइ
श्चिका उस पे ला		
वी लाधु चं का उथ	11 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	स्या स्रा अध्य
11	के क	बातं बातं
रात्रिका चौघडिया.		
र चं ये च गु गु ग		शहास्त्रभाषातात्त्र श्रुक्ता सर्वा भवास्त्र राह्यभादाणावः श्रुवः सृदुः गुच्यः राह्यभादात्यस्यः श्रुक्ते
शुचं का उस रो हा		सर्वी प्र सर्वी प्र सर्वे प्र सर्वे प्र सर्वे प्र
संशास्त्र संग्राम	11年 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11	हाराम्।जाटा१०। ह्या सर्वा भवास्ता व राह्यपादाजा१०।१ राह्यपादाजा१०।१ स्वः स्टुः पुच्यः ह राह्यपादाटादा१११
रे लाध चंका उथ		विस्ति व व व व व व व व व व व व व व व व व व व
बल उस से लाश चं		ण १२ ।१२।१३ शमि, शमि, भक्षाया
लाश चंकाउन रो	10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 1	यावत.
उ थ ऐ हा ध च का		34
क्ष का व भ ो हा	100 100 100 100 100 100 100 100 100 100	WOMEN STATE OF THE PARTY OF THE
	Will state of the	तिथा त्रिः त्रिः वार. नक्षत्र. लक्षत्र.
	Public Damain Kirillian Sauma Naisfeach Delhi Carrier	ाः इतिसम्बद्धाः ।

हा। हिंदिगं इस्य इस्य

रस्य पहुंचु नस्य बन्न

नरः दाने ते ॥

॥ ८ राजम मन्दि यदो मध्य

> ; ā

> कन्या पश्चिम ॥ १ । पुस्तर

> > निधा . क . क

સાય

श्रीमणेशाय नमः ॥ अथातः संप्रवस्थामि इस्तरसाविचारणम् ॥ किति विवादणम् ॥ किति विवादणम् ॥ किति विवादणम् ॥ विकाग पुरुषं वेयं वासे वामकरं शुक्षम् ॥ १ ॥ शिवोक्तं तत्र वासुद्र इस्तरेका गुपासुपम् ॥ यस्य विज्ञानमात्रेण पुरुषो नहि शोचिति ॥ २ । यस्य मीनतमा रेखा कर्मसिद्धिध जायते ॥ धनाड्यस्तु स विदेवे बहुपुत्रो न संज्ञयः ॥ ३ ॥ तुलाग्रामं तथा वजं करमध्ये च दृश्यते मस्य वाणिज्यतिहिः स्थात्पुरुषस्य न संशयः ॥ ४ ॥ पद्मचाणदि लं च अष्टकोणादि दक्यते ॥ श्रियक्ष पुरुषस्यापि धनवान्स सुर्ख नरः ॥ ५॥ विद्यूलं करमध्ये तु तेन राजा प्रवर्तते ॥ यहे धर्मे च दाने च देवविजयपुजकः॥ ६॥ दाक्तितोमरवाणैश्च करमध्ये च हदय ने ॥ रथचकष्यजाकारः स च राज्यं छम्रेन्नरः ॥ ७ ॥ अंकुशं कुंडल चनं यस्य पाणितले भवेत् ॥ तस्य राज्यं महाश्रेष्टं सामुद्रवचनं यथ ॥ ८॥ जिरिकंकणयोगीनां नरमुंडघटादिकम् ॥ करे वे यस चिहारि राजमकी अवेजरः ॥ ९ ॥ रविचन्द्रलतानेत्रमप्रकोणित्रकोणकम् मन्दिरस्य गजाभ्वानां चिहे धनसुखी नरः॥ १०॥ अंगुष्टोदरमध्यस्य यवो यस्य विराजते ॥ उत्पन्नभक्षमोगी स्थात्स नरः सुखमेघते ॥ ११ मध्यमातर्जनीमूले यद्यो यस्य प्रदृश्यते ॥ धनवान्सुसमोगी स्थात खदारगृहादिषु॥ १२॥ ॥ इति सामुद्रिकम्॥

7	4		शुभफ्तं लिख्यते.	
॥ ति ति ति व पर छं वाति ॥ वो ॥	なるなななななななななななななななななななななななななななななななななななな			
1		भाग सामगासस्यस्य.	। अथ दिशासूलचन्नम्. । अथ दचपुत्र	तया खाल जना

	-
अथ संमुखचंद्रदिशापति.	
मेषे च सिंहे धनुप्रीभागे वृषे च	2000
क्या गढ़ने च गाम्ये ॥ यसमें तलाकुमें धु	
पश्चिमायां ककालिमीने दिशि चौत्तरस्या	
॥ १॥ पळ—सन्मस्रो हार्यलाभाय दाक्षण	1.
मध्यमंत्रहे। प्रातः प्राणनाशास्य वान वर	
धनझयः ॥ २॥ अर्थ—मेव सि. ध. पूर्वे,	1
वृ. कन्या म. दक्षिणे, मि. तु. कुं. पश्चिमे,	
फर्क, मीन, वृ. उत्तरे.	1

अथ	योगिनीचकं	Į.	अथ कालराहुचकम्.							
हैशान. ३०१८ योगि है वार्डि	पूर्व. ११९ नी सुखदा वामे तदायिनी ॥ द ज्ञी च सन्मुखे म ॥ १ ॥ १९१३	आमे. ३११९ १ष्ठे हिले इ.स. १एण- अ.स.	अर श्री श्री या मी	पूर्व शांनि श्रेंत्तरे बाबुदिशों च में प्रतीच्यां बुधनेश्वरे म्ये गुरी बिब्रिक्श च रे च पूर्वे प्रबदंति का ध्यम् मध्यम	अक्ष व					

पर्व चंद्र शनि विशाशल छेजावे वामे राह कह कर it mib

इन्तादिवंचक निपन्तन्तु प्रामेष् स्यंसमाजगुरभागंबवासरेषु । रिका-विविधिततिथिष्यशिक्षमन्त्रेम सिहे गुणे सवति दचपरिप्रहोऽध्यः ॥ १ ॥ ह. चि. खा. वि. इत्. इति वा पु. र. में. पु. शु. खिंह वृत्र लाम श्रम और विका वृ. के. ऽश्रम

अय गुरुशुक्त योरस्ते वर्जितकर्म ॥ वापीकूपत्डाग्रयज्ञगमनं क्षीरं प्रतिष्ठा ततो विद्यामंदिरकर्णवेधनमहादानं गुरोः सेवनं । तीर्पक्षानविवाहकाम्यहवनं मन्नोपदेशं शुनं दूरेणैव विजीविषुः परिहरेदस्तं गुरोमार्थेवम् ॥ १ ॥ अथ पंचकविचारः ॥ धनिष्ठाके उत्तर दल शततारका पूर्वी-उत्तराभाद्रपदा रेसती इन क्लात्रोंमें दक्षिण यसन एह छावणां माचा उणानां तृणकाष्ट्रादि संगत् करना नहीं ॥ २ ॥

			2: 29 2	: नामिनो एकिंग सम्म ॥ १ ॥
and Survey and	लंदनं मान्यस्यायस्थाने	तथा वधनाम ॥ शंपातकोष्ठ	शिभवादीवानन सन निः	i तत्स्रुतितोऽधिकं यस् ॥ १ ॥

10 11 11 11 11 11 11 1
The column The
1
\$\frac{1}{2}\$ \$\
8 9. 411 5. 5 9 12 13 13 13 13 13 13 13 13 13 13 13 13 13
2 12 1 1 2 1 2 1 2 1 2 1 2 1 2 1 2 1 2
\$\frac{1}{2}\$, \$\frac{1}{1}\$\$,
\$ 5. \$ 1. \$ 2. \$
\$\$ \$\overline{\o
\$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$
\$\frac{4}{2}\$ \$\
1 日本
35 1 1 3. 1 1 3. 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
25 年、1 日 名 1 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日
1 25 1 20 1 20 1 20 1 20 1 20 1 20 1 20
1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
1 10 2. 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3
स. मा. व.

I				₹1.	बे.	के.	ने.	ਚੂ.	₹.	g. [ने. नि	पे. वि	H.	5.	5. I	季 .	H .	R.	H.	₹.	₹.	क.	₫.	₫.	g.	₹·	편-	य-	ㅂ.	u .	4.	ਸ.	4.	म.	<u> </u>	· (6)	ġ.	मी	यी	मी	स.	
1				आ.	9	9	1	111	3	n	11	9 1	11	1	3	9	9	3	1	III	9	11	11	9	111	1	3	3.	9	3	1	111	3	11	11	2	II	1	9	9	मा.	
IT		रा.	मा.	न.	W .	¥.	寶.	₩.	रो.	मृ.	सृ. ।	ना	4.	3.	g. e	NT I	4.	षू.	ਰ.	ਰ.	₹.	चि	चि	खा	वि.	वे.	ल. उ	चे.	4	₹-	ਰ.	3. 9	¥.	ঘ.	ਚ.	श.	T.	q .	3.	₹.	न.	
	99	₫.	u	ચિ.	२२	38	26	54 54	94	35	19	30 9	11	19	3 3	89	223	10E	200 FF	198	8+ 50	38 38	35	53	338	२२७ ४	255 EU	100	₹3	13	र्भ	23H	31	E. C.	94	7E 44	14	15	3 7342	पूरें	ft.	1 10
	20	₫.	9	खा.	22	24	18	99 35	35	58	25	35	(m)	no:	25,	3	3211	२५	રપા	२५॥ ४+	१०॥	₹9 ¥÷	26	35	२०	3%0	8 258	S S	23	19	75 E	3 3	3	25	29	13	14 At	905	75	77	स्त.	
	28	₫.	111	वि.	29	91		34.													948	84 84	238	98	3	14	at s	S.	79	155	93	93	חרים 8	रवह	135 9+	15	₹0 97	93.1	पुरा। १६२	a A	8.	
	२२	Ę.	1	,ä.	958	968	988	392	938	278	39	128	128	24	34 3	180	3 3 3 3 3	221	162	98 93	96	35	298	36	94 39	35	Se 1	174	29A	1411	110	119	11 3	83	28	178	990	35	318	35%	A.	1
	२३	ų.	9	ч.	331	-	368	301	-			-					_	_			₹4	19	\$18 38	308	95.	25	35	39 2	190	338	14.6	*	26	12	19	şo	रशय	रम १५	2 15	10 9	4.	
Marie	२ध	평.	9	ज्ये.	1 54	1 14	1-4	२८॥	2211	२९॥	92 Q 3	२	£3	9.0	99	-1	1	1	13	12	3		0	9	9, 19			3	1,000		gn gn	200		-	58	-		939	-	-	ज्ये.	
Calcia Su	२५	ध.	9	Ą.	991	99	34	998	98	92E	29	13	97 3	10	308	23	२४	94	99.1 943	93	93 3	26	26	39	२६	१२॥	1-58	9E 3N2	3	25	172	38,	Que V	8 1	रदव	87.B	138	151	7	26	4.	
	२६	ਬ.	9	q.	241 +1	198 134	991	98	9011	90H 38	99	२६	२७	33B	978 335	950	99 -94	919	र्भ ५२	२८॥	20	93 33	92	२७	30	95	233 1415 1416	12 101	79 9+	2 2		_	-	-	-	-	-	_	-	1	¥:	
ASS PROCES	२७	e.	1	₹.	38	248 44	93	n 6	90	9511	54	25	२७	228	२२१	20 983	913	14	24 4+	२८॥	3411	30	२०	39	93	128 58	27	ust Re-	77	33	3	28	300	16				240	-		3.	11
	26	स.	uı	₹.	20	3,01	93	11 93	15	रर॥ इस+	9911	-6 5411	₹9# ~Ę	२८	२८	43 48	35£	30	₹9 Q	44	28 23	948	₹₹# -9	3 3	980	98	200	37	Ah. Aha	3	23 26	3	700 34		-	-			A STATE OF	3	SERVICE STATE	
STEEL	२९	स.	9	87.	24	20	98	11 34	75	100	7.0	99.8	3-	36	34	38	35 35	96H \$	20	33 44	44	99	રપ્ર	3.	3 888	92	69	13	A	\$ P	914 38	36	3	-	24	48		-	1-	300		
and the same	30	ਸ.	11	ਬ.	2	99	2 75	1 2	99	34	35	38	9-8	15	93	29	9611	48 136	75	940 84	90	94 34	3	રક્ષ	248	35	45	36	8 201	343	23	11	-00	20		43	2-1	13	1 23	34		1
and the same	23	ij.	11	ਖ.	91	10 93	18 20	111 30	54	9911	99	90 94	99 4+	32	38	35	રકા	9011	9	991	99	90 35	96 34	20.7	187 P	24	33	24	2911	93	30	38	94	FE 36	3	33	9	95	1 22	137	13.	1
	38	ġ.	3	चा.	91	111 20	11 38	(a 31	34	२६॥	२०	934	33 34	\$ B 3 E	93	99	२५॥	340	93	935	9011 235	इस	२६	रन	₹ 4+	268	₹0	96	₹₹3 3	9	4 58.3	18	+2	R+	33	1	1		-	1 991 1 8	-	1
	44	· ·	uı	ď.				1 2 E		30	2311 4+	99	99	998	981	12	940	रभव	3	941	34-6	994	194	25 4+	20	105	252	13	53 53	2911	248	8+ 548	4+	128	13	93	1	1 20		8 83	1	+1
1	58	मी.	1	q.	9 7	811 S.	11 1	48 35 48 35	1 30	1 34	48	3011	958	90	79	95	740	221 8+	35	98	36.3	94	99	951	928	99	34	131	43	260	343	२८॥	231	9	Section 2		-	-	and the	3 30 a. 34 c 39	THE PERSON NAMED IN	
	34	मी.	9	3.				48 S	1 3	92	9 3	रभ	250	100	98	39	951	94	\$9.5 \$4	53	14	13	135	66	365	999	39	797	1.0	3	220	298	381	13	93	2		W 2		3 33		1
	24	भी.	9	₹.		24 × 8	311 9	1011 9	3 9	3 36	94	58	24	रधा	38	33	92	41	रर ६	53	177	36	100	35	36	34	4+	44	-56	रता	3	3	1	1		-	-	1 3	+		1	1
1		रा.	भा.	न.	1	m. 3	H	g. g	5. l i	i. मृ	. मृ.	अ	13.	13.	J.	84	ा स	, q	. । उ	. उ	. Ę.	िवि	I Fe	स्व	ा वि.	। वि.	.। स.	उचे	मू.	T.	3.	3.			1. 6	. 3	- 9		2	5. T	1	

च्छा होते. चचा. सिशा. व. लावेसा. पूर्व. हाती. व. सा. हाती. व. सा. हाती. व. सा. हाता. व. सा. हा. हाता. व. सा. हा. हाता. व. सा. हाता. व. सा. हाता. व. सा. हाता. व. सा. हाता.	व्यक्तेमुखनसम्बद्धम् तिर्थ		ऊर्घ्यमुखनभन्नफलम्.		सिधनसनप्रतम्.	्रा _{,।इं} ० क्षे क्षे
हैं मां हम नवार्त्री वार्त्र हम नवार्त्री पेड़ा हाथी देंद रोहिं. प्रिक्ता हथा नवार्त्री देश नवार्त्र में देश हम हम पा बकद मेंद्र हार बात क्या संदेश पर निर्माण वार्त्र हाथ हों के कहा हाथ एते क्या नवार्त्र वार्त्र का क्या पर निर्माण वार्त्र हाथ हों के कहा हाथ हों के कहा हो के हिंदी का करता हों वार्त्र का क्या मेंद्र पा कर्म के हिंदा को के हिंदा का करता हों वार्त्र हम हों के हिंदी हों हों हो हो है	ं मूळ, हाति, सचा, विशा, जरे	वेष्ठा पुन.हस्त.अश्वि.सृग.	पुच्य. आर्दा. श्रव.उत्त. फा.	रोहिणी. उत्तरा फाल्युनी.	कृतिका, विशाखा, इणनक्ष-	The state of the s
होना त्या के स्वा होर बान हम्म पान वकर में द्वा हम निर्मा हम निरम	बर, बाडिया, पूर्वा, पूर्वाया, देवती.	. भनु. खाती. चित्रा.	उत्त. था. उत्त. भा. शतता.	उत्तराधाडा. उत्तरा माद्रपदा.	त्रांमें अभिपेक खेतम गीज	स्त्र सं से से स
हार त्राव हार हार हार के का निवास कर में शुर बा मान कर के का के के दिवाल तोए चांदा गांग मान कर के का को कर मान हार के का का का के कर मान हार के का का का कर मान हार के का का का कर मान हार का का का कर मान हार के का का का कर मान हार के का का का का कर मान हार के का का का का कर मान हार का का का कर मान हार का का का का कर मान हार का	पूर्वीसा. इन नक्षत्रोमें बावने इस न	तक्षत्रांमें घोडा हाची डेट	रोहि. धानेष्ठा. इण नक्षत्राम	इण नक्षत्रमि बीज वावणी	पेरणी. प्रामनगरम प्रवेश	報 では は は は 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日 日
प्रशासिक प्रियाच्या स्थाप होता । स्थाप प्रशासिक प्रशासिक प्रथम स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स	क्वा तंत्रव होद बान दम्य प्रधा	बलद मेंडा शूर श्वान	दवालय ध्वजा सदप घर	नगर प्रवेश, राज्यानिषेक	यागाइत इस वल ठता	निक्षिक में प्रे ।
स्ता शर्म होय. यदार ममन एता कार्य करणा श्रम. वितार होय. यदार ममन एता कार्य करणा श्रम. वितार होय. यदार ममन एता कार्य करणा श्रम. वितार ममन समार्थ कर्म करणा श्रम. वितार ममन करणा वितार ममन करणा श्रम. वितार ममन वितार ममन करणा वितार ममन व	कारणे. इच्य दाटणो. खुवा एतं व	क्रेणा नाव पाणीम घालणा.	काठादवाल तारण चादा बाग	वागाइत सगावणा. शात	शातकम एतः काय करणा	10 四時間是
स्वास्त्रभक्त स्वास्त्र स्वास्त स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्	पुषाप्रदेश यागतारुप्रारम. इल	बातणा विरणा सारम	कर्म करणा कार	कम. एता काय करणा	શુન દાય	न निकं के निक
स्था निजा तर तेती अबि पुष्प हसा दिन अवि			-	Proposed State of the State of	The state of the s	F m w on
स्व नहारा स्वा स्व					CONTRACTOR	
स्व नहार्यों वितासारी. की जित हम सहार्यों व्यवहार. हम नहार्यों भूतादिक पीटा स्वित स्व	मृश, विद्या, शतु. रेवती ह	श्रंबि. पुष्य. इस. डिन-	. आर्त्री भाग्डे, ज्येष्ठा. मृत्र.	पुनवे. शत. साती. अवण,	भरणी. पू. फा. पू. वा.	里 20 ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~
सामनिका और नामप्रकारक की हा करणा. औपथ देणी पंजसाधना. वेदन भेद करणो. वामनिका पालकी रणो. विश्व देणी. वंधन उत्साह हिस्स वेदणा. एता कार्य ग्रेस नामप्रकार कार्य नामप्रकार कार्य ग्रेस नामप्रकार कार्य नामप्रकार कार्य ग्रेस नामप्रकार कार्य नाम	क्षा अवयोगे विज्ञानारी हो- चित	हण नक्षत्रांमें व्यवहार.	इण नक्षत्रीमें भूतादिक पीडा	धनिष्ठा इप नक्षत्रीमें हाथी	पूर्वासाहपदा. सवा, इण नक्ष-	原则 2 以以 30 元 02 02 02
स्थान करण श्रम है. श्रम होय. श्रम हे. श्रम होय. श्रम हे. श्रम होय. श्रम होय	संब, भूषणबारण, बखवारण, गूपण	ग धारम. कलाङुशल.	निवारण करणा. द्रव्य काष्ट्रणी.	धोडा नानाप्रकारका वाहन	त्रांमें शठत्व करणो. नाश क-	1 ()
चार होत. विचार प्रस्तान करणा द्वस है. दावक होत. युनदायक होत. कार्य उचा होत. विचार करणा द्वस होत. विचार करणा होते होते होते होते होते होते होते होते	वायनविद्या और नानाप्रकारका कीड	त करणा. औपध देणी	मत्रसाधनाः वधन भद करणाः	वागवराचा जावणा. पालखी	रणाः विष देणाः विधन उत्साह	1700
हातदक्षिण. हातवाम. चंद्रस्पादियुतेलतियुतिदो. जामित्रहाराहृहिश्वतेलति. ह्यापात, गंड, व्यतीपात, छल, प्रे क्रिक्ट क्रिक्	संगलकार्य करणा सुखप्राप्ति- देणी	. झानविया. मुधारण-	बच करणा. एता काय श्रम-	रयम बठमा. एता काय	शक्त चलावणा, . बालण एता	
हातदक्षिण. हातधाम. चंद्रस्पांदियुसेखतियृतिदो. जामित्रहास्थतेस्ति. व्यापात, गंड, व्यतीपात, ग्रह, व्यतीपात, व्यतीपा	व्यापक होता. अध्यक्षि । पणा.	. प्रस्थान करणा शुभ ह.	दावक हाव.	् युमदायक हाय.	काय उक्त हाय.	
पानिर्णय. विध्यंत्रम्. उपप्रद्यंत्रं सूर्यश्राद्विवाह्मं तर्हि. उपप्रद्यंत्रं सूर्यश्राद्विवाहमं तर्विवाहमं तर्हि. उपप्रद्यंत्रं सूर्यश्राद्विवाहमं तर्वितः उपप्रद्यातिश्रिष्ट सर्वेतः उपप्रद्			ے۔ ادمہ	- 262	<u> </u>	13 031 0 001 3
पानिर्णय. विध्यंत्रम्. उपप्रद्यंत्रं सूर्यश्राद्विवाह्मं तर्हि. उपप्रद्यंत्रं सूर्यश्राद्विवाहमं तर्विवाहमं तर्हि. उपप्रद्यंत्रं सूर्यश्राद्विवाहमं तर्वितः उपप्रद्यातिश्रिष्ट सर्वेतः उपप्रद्					व्याघात, गंड, व्यर्त	पिपात, इरल, ये कि कि कि कि
पानिर्णय. विध्यंत्रम्. उपप्रद्यंत्रं सूर्यश्राद्विवाह्मं तर्हि. उपप्रद्यंत्रं सूर्यश्राद्विवाहमं तर्वे तर्वे विवाख्याः उपप्रद्यंत्रं सूर्यश्राद्विवाहमं तर्वे त्रिवाख्याः उपप्रद्यंत्रं सूर्यश्राद्विवाहमं तर्वे त्रिवाखाः उपप्रद्यातिश्रिष्ट सर्वे त्रिवाखाः उपप्रद्यातिश्राद्विवाखाः उपप्रविवाखाः उपप्रद्यातिश्राद्विवाखाः उपप्रद्यातिश्राद्विवाखाः उपप्रद्यातिश्राद्विवाखाः उपप्रद्यातिश्राद्विवाखाः उपप्रद्यातिश्राद्विवाखाः उपप्रद्यातिश्राद्विवाखाः उपप्रद्यातिश्राद्विवाखाः	र मंग्रा चंड्र श्रा	र मं बु छ छ	श रा या ये व्हाम उ	हिलाय मू उड	रे वैशति, वज्र, परिच, अतिगं	ंड, यह योग कि कि कि कि
पानिर्णय. विध्यंत्रम्. उपमहयंत्रं सूर्यक्षाद्विवाह्मं तर्हि. उपमहयंत्रं सूर्यक्षाद्विवाहमं त्विवाहमं तर्हि. उपमहयंत्रं सूर्यक्षाद्विवाहमं तर्हि. उपमहयंत्रं सूर्यक्षिक्षेत्रं सूर्यक्षित्वेवाहमं त्विवाहमं			। पा । । । ।	ता । जा भा	विवादके दिन द्वित और	रविनक्षत्रमे प्रिंट सि ल प्र प
पानिर्णय. विध्यंत्रम्. उपमहयंत्रं सूर्यक्षाद्विवाह्मं तर्हि. उपमहयंत्रं सूर्यक्षाद्विवाहमं त्विवाहमं तर्हि. उपमहयंत्रं सूर्यक्षाद्विवाहमं तर्हि. उपमहयंत्रं सूर्यक्षिक्षेत्रं सूर्यक्षित्वेवाहमं त्विवाहमं	38 3 6 6 58 0 9 8	图 日 日 图 图	医器色网球甲甲	्ड. अ कृ स् पु उ.	ह विवाहका नक्षत्र विषमांकपर	होंचे तो उक्त (ि है कि ल कि है
पाति विध्यंत्रम्. विध्यंत्रम्. विध्यंत्रम्. पे मृ म ह स्वा अ मृ रे १ ८ १८ १९ २२ २३ २४ २४ २४ २४ २४ २४ १८ १० १२ १२ १२ १२ १२ १२ १२ १२ १२ १२ १२ १२ १२		19 四四日	The second second second		The same of the sa	14 14 10 10 10 1
प्रमास्ता अस्त स्वा अस्त स्व		Hecocococo	CONTRACTOR OF A CONTRACTOR OF		8 8	
का का के तो पातरीय होते. के तम मार्ग के तम का	पार्तानपेय.		The same of the sa		- X X	1008
कर बन मोगोंके अंतमें विवा-	के के के साथ, व्यक्तिपत			Company of the control of the contro		प्र राग आभ रूप न्यार श्रुष्ट वाणा
क्षा महात्र द्वार के पावस करते.	का वा दन योगीके अंतमें विव	11- 8 SIN 3. 81. 3.	ST. 1 8	· 新香香香香	1 3 1 1 1 1 1 1	LC X
	क्रम नवन होने तो पातदीब हमे.	1 1 1 1 1	1118		一	
Hocococococococococococococococococococ	and independent of the second of	,	ооооооооы Вооо	000000000000000000000000000000000000000	COCCOMICOCCO	कि है है है रे रे रे रे

जन्मनि निंगतिः सूर्ये तृतीये दश चंद्रमाः ॥ चतुर्थे चाहपे भौषे पहे पेद बुधातया ॥ १ ॥ सप्तमे दश मंद्रमा नवमेष्ट शृहस्पतेः ॥ दशमे निंशती राहोः श्रेषा सृगुद्शा भवेत् ॥ २ ॥

बासके पूर्वकादिन तीजा स्वेका १० दिन घोषा स्वेका दिन छट्टे स्येका दिन छ सातना स्वेका दिन नवसा स्वेका दिन स्वासा स्वेका दिन वासा स्वेका दिन स्वासा स्वेका दिन वासा स्वेका दिन तक सहस्या द्वं संस्थे १० तक स्विद्धा दिन १० तक सिद्धा दिन १० तक सिद्धा दिन १० तक सहस्या दिन १० तक सिद्धा दिन १० ते सध्येऽत्तर पद ते सध्येऽत्तर ते सध्येऽत्तर पद ते सध्येऽतर पद ते सध्य ते सध्य

जासीका उपस्थानी जुम्हशुम देखना.

and the same					-			1	- 0	स. १०	°\$. ₹₹	की. १२	WE
l o i	201	1	मि. ३	क. ४	सि. ५	क. ६	नु. ७	편. 스	(41. 9		*	हाकी	19
रक्तिः.	अ. १	बृ. २	0		-5-	Acceptant	गमन	पीडा	क्रांतिक्षय	कार्यसिविद	वित्रकान	Gins	120
E	व्याननाथा	अय		उधनभेदा	देन्य	रिपुनावा			राजशय	सहासीस्थ	विविधवास	रोगधननाश	iv
	9	Chargement	द्रवकात	क्रविसंग	कार्यनाथ	वित्तकाभ	धनसीलान			शोक	वद्याव	रोवधुननाक	THE REAL PROPERTY.
क्रम ॰		क्तिता वा			धदशय	म्ब्बलाम	ब्रोफ	। सञ्जासय	कार्यवास	L	-	विसभाश	1-
\$41.50	वासु भवन	वनमाञ	भाजाम	व्यानुसम			ग्रहीस्पीडा	धनखास	, बीहर	सीस्य	जबकास	1	13
94	बंधुकाम	धनवस्म	क्षेत्रकर	अंक्ष्रींस	बाजिमन	स्थानमा.			सीस्य	देन्य	। मुख्यकास	, थीस	15
11	V	12	ी बेग	- भूडवमाम्ब	सोच्य	वाक	राजमान	मृत्य		सुंख्य	े अंत्रकाव	्र ज्ञाम	3
13.9	कुक् अस्त	धनदास	1-04			शतुभव	हैं शोक	संबंदास	वासकाम	-	1	क्षार्थ	-15
i eş	वन्सव्यान	जुन्त्वस्थान	विसन्धा	খনকাৰ	-			वारीरपीडा	बाबामा	दीर्मनस	ब्बबास	1	
T with	Lamore Charge	धनइर	प्रतामा	वाजिश्रम	वर्धकाम	1		प्राणनावा	पाप	वैर	48	हानि	1
- Flance	en elektron minimum kinn	-		-	क्र शोक	वित्तद्धार्थ	कार्स		-	1 37	98	वाहि	1
1 115	्र हान	विश्वनाच	The Party of the State of the S		Continue to the	वित्तकास	करि	ग्रामनाञ्च	पाय	,1 44)-	CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE	
The same	" wrEv	विकास	विषयकाश	। वैद	下明道		- Commence	and the same of the same	AND DESCRIPTION OF THE PERSON NAMED IN	SE SECRETARION SERVICES			

अब सक्ष्याराष्ट्रि कार्याकार्यविचार

रचिवार -एस्वामिषेक गाँत वाच पाक-बीमें बैठले राजसेवा गामहूपभाषे लेकी इवन प्रकादिक पंत्र उपदेश देशो लोक्पी देनीलेकी शब्द सुबान ताझ कनपक कड़ बुल्यमंत्र न्यवहार प्रता कार्यक बिंके श्रमहायक है

लोप्पवार-शांव वृष्ट वास संस्थ कार्य प्रोती रूपो अपवत मोजब बीमंत लक जरूपत तायण वद्यांचे घोरत गांव वैसे पृथ्व वस एमा कार्य ग्रुव्यावक होत.

र्यमक्तवार मेर उन्ने बच्च की तिर व्यक्ति इज्वेदन सेमान इन्द्र हैम सेन्य रामधी नुत्रभै बाद वाह-वजाब रामबाद इते श्वभरावन होना

तुष्यभार-चातुर्व पुरुष वश्यक्त कर विकासाय सेवा विकाले विक कर्ता धातुक्तिमा सुवने युक्ति सब्दारको स्वे भारतिभार पूर्व द्वारतायक है.

शुक्रवार धर्मकरणे नवप्रताने एक एक विवास्थान केंग्रान्थक व्यक्ति नवा रंभ वह शेराच वस्तुरण दल कर्त वरण गुमहारक है.

शुक्रदान की कावन स्वयम सामि रेश दीरा सुनेव पक्ष उत्तराह वालेका वाकित्य गान मृज्यपांकर सिरीकरूके एंगा ४४ है। शानिवार-लेश पोणस्य सीत्रे क्याँक सरवार जन्मर पार कर्यका कोरी

तायार पाकर पास बहुतका कार्य विश्व कर्ड कारामी सुग्राचेन कार्य) गोपणे उपनेकादिक क्या शुक्तकाल हैं

बान्या

(किकी

क्षरई

पुश व

बकवा

दोच र

त्रिदो

(राष

हेगा

जिस और

MAR

वारे

रोग

वाक

स्मे

वार

"आयुर्वेदोक्त शास्त्रीयप्रक्रियासे निर्माण की हुई हमारे औषधालयकी चंद पेटेंट दवाईयां अतः एक वार मंगवाकर अद्भुत चमत्कार देखे''

एम पूर हात है यह पूर्वतर पान विवास पान पान पान पान पान पान पान है। जिस्सा ता है मनुष्य की विकलिं द्विसी की वैतन्यक एंसारिक सुख भोगनेंसे सब प्रकारकी नपुंसकता नष्ट होकर सनुष्यजन्म देनेका सुब प्राप्त दुः बसे बुटकारा पाकर प्रशंसापत्र दिये हें मृत्य रू) दे वा रहा नयनप्रमादाजन । कियान कर देती हैं मृत्रपुरीय के त्या व द्वास धातुपतनादि होता है, एक बीबीका सूल्य ३) दे वा सी, भा निर्माण कियान पान कियान कियान पान कियान किया दोष पूर करती हैं. ३२ वटीकी डिविन्स मूल्य २।६० टा. था. ६ सां रत दालामृत । इत्र्यायां श्वास दित तमः स्पोदि यथा ॥ यह अंजन नेत्रसे पुंधलायनको नव स्थ

राम खुजला धमारा दाग लिय काव आद स्थानाक वाव वह सब उपद्रवमा शान्त हात ह विशेष वह पूर्ण पल्युक्कारक ह नूरण इस दुःसक अवात धवरा जाता ह यह दरना और महाक्या हात हात है परिचर्धावाल दुःखी होते हैं इस रोगपर हमारे यहाक स्वन्त आर महाक्या होते हैं । इसके सिवाय दूसरी दवा छून साफ करने- डिज्बा १॥) ६० डा. सा. पे. १८०) वी. पी. से. १। १। है परिचर्धावाल दुःखी होते हैं इस रोगपर हमारे यहाक स्वन्त अप साम होते हैं । इसके सिवाय दूसरी दवा छून साफ करने- डिज्बा १॥) ६० डा. सा. पे. १८०) वी. पी. से. १। १। है परिचर्धावाल दुःखी होते हैं इस रोगपर हमारे यहाक स्वन्त अप स्वन्त अप साम होते हैं परिचर्धावाल दुःखी होते हैं इस रोगपर हमारे यहाक स्वन्त अप साम होते हैं परिचर्धावाल दुःखी होते हैं इस रोगपर हमारे यहाक स्वन्त अप साम होते हैं परिचर्धावाल दुःखी होते हैं इस रोगपर हमारे यहाक स्वन्त अप साम हमारे वहाक साम हमारे वहाक साम हमारे यहाक साम हमारे परिचर्धावाल दुःखी होते हैं इस रोगपर हमारे यहाक स्वन्त अप साम हमारे यहाक साम हमारे यहाक साम हमारे वहाक साम हमारे यहाक साम हमारे वहाक साम हमारे यहाक साम हमारे यहाक साम हमारे वहाक साम हमारे यहाक साम हमारे यहाक साम हमारे यहाक साम हमारे वहाक साम हमारे यहाक साम हमारे वहाक साम हमारे यहाक साम हमारे हमारे हमारे यहाक साम हमारे हमारे

बल्द मटत ह । शरारका जाज वातु वाका हाकर जात्य उत्तान व्याप क्षात विश्व करना वाह्य र वाह्य प्राप्त करना वाह्य र वाह्य स्थान वाह्य र वाह्य स्थान स्थान वाह्य स्थान व

बान्यान् रोगांस्तदनुविध्नः॥ इन गोलियोंसे २० प्र० प्रमेह सुआक येण प्रमेहान् इंति विंशतिम् ॥ प्रियगण! परमात्माने विषयानन्द और रोगान् तूण नाशयित धुवम्॥ यह तैळ दवकी जगहपर मसकनेसे स्व दशकी कविजयत अजीर्ण पेटका फूलना हाथ परका जलना अल, संतानोत्पन्न सुख मुख्य रक्खा है पर नपुंसक रोगप्रस्त मनुष्योंको यह तरहका वायु अथात हाथ, पर, पीठ, मस्ती, कमर सीर बांच आविरे हमरकी पीडा वात पित और इफका प्रकाप अन्यान्य दह प्रकारके मुख कर्योंकर मिले इसले आयुर्वेदशास्त्रोंक प्रक्रियासे नपुंसक स्थित वायुकी पीडा नष्ट होती है वायुरोगसे अवयव नेकार होता है। असका विधिपूर्वेद व्यवहारसे हैं परंतु इस रोगसे पीडित महाश्योंने हमारे यहाँसे यह तैस मंगा तेम कर होते हैं यह दूचितरक्त्रों सुधारकर वलवीर्व्यको बढाती संजीवन तिला तैय्यार किया है. जिसका विधिपूर्वेद व्यवहारसे हैं परंतु इस रोगसे पीडित महाश्योंने हमारे यहाँसे यह तैस मंगा

२ रत उपद्शानाराक घृत । . कृच्छ्रे प्रशस्तं सर्वया हितम् ॥ वालकको अक्सर डि॰वे का रोग हो जाता ज्योतिको बडाता है आंखके भीतरका सफेद दाय (अक्षिपाकासव क्षीक । सार्पिर्निहन्यादुपर्दशदोर्ष स्टाह्पाकं श्रुतिरागयुक्तम् ॥ है जिसको बहुलकी बीमाधिमी कहते हैं इस रोगसे वालकका बचना न्कुलांस्य अर्जुन नेत्रसाव वातिपत्तककान्य चहारोग सब बह त्रिदोवसंबंबी कैसीही आतशक (गरमी) हो दाह्युक्त थाव हो पीव वडा मुश्किल होजाता है दो चार प्रहरमेंही प्रायः वालकका प्राण प्रयाण होते हैं विशेष वसत्कार यह है कि नेत्रसे चार अंगुल स्तीपर रक (राध) बहुता हो नसनसर्ने प्रवेश हुई आतशक्को यह नष्ट कर कर जाता है इस रोगका नछोपाय "बालामृतचूर्ण" की एक २ डिब्बी अंजनकी भरी सलाका यांभनेसे फोरन नेजका रोगयुक कर कि देगा इस दवासे मुंह नहीं आता न किसी प्रकारकी तकलीफ होती हरएक ग्रहस्थको अपने घरमेंही रखनी चाहिये इससे बालककी सर्व लता है और सलाका लगातेही समस्तदोष जलकी राह निकास है शिर्फ ७ दिन दवा खाना और प्रतको घावपर लगाना चाहिये खाँसी जबर छातीका दर्द खासकृच्छूता आदि रोगभी नष्ट होते हैं नेत्र श्रीतल होते हैं मूल्य शीग्री १॥) ६० डा.मा.पे. १९) वी कि

किसिद्धेषजं रक्तशुद्धिकृत् ॥ इसको यथाविधि पीनेसे रक्षित निस्सन्देह अर्शरोग (ववासीर) खूनी वादी सबैप्रकारका नष्ट होता और हदसकी पीडा आदि रोग नष्ट होते हैं यह अजिसार कर प्राचक्रपण प्राचित्रक । प्राचन प्राचन कर्म है। श्वास कास ज्वर हिका छदि मूच्छी मदात्यय चित्रअम् आदि रोग विशेषकर इद और कमताकतवाळेको महादु खदाई होता रोग खुजली घमोरी दाग लिंग कीव आदि स्थानोंके घाव यह सब उपद्रवभी शाँनत होते हैं विशेष यह चूर्ण वलपुष्टिकारक है मूल्य इस दुः सने अलांत घबरा जाता है यह वेदना और महाप्रचा होते

काद । ग्रुकवाव रमावाव प्रवाप प्रवाप प्रवाप निवास विवास विवास का कि सह औषध सेकडोवार अजमाईहुई शीच्च आराम जननं सेवेत निश्चि कामुकः ॥ यह स्तमनवटो अमार्ग अलन स्तर-भेद नष्ट होता है यह औषध सेकडोवार अजमाईहुई शीच्च आराम जननं सेवेत निश्चि कामुकः ॥ यह स्तमनवटो अमार्ग म्महान्मू नाथाताल वादशा इस दवात शुक्रका दाप पूजनायम् जलग लर्स्स गड दाता व वह सिहनतके साथ निर्माण की है नित्र- गोली वीर्यको रोक्ती है पुरुषोंको आवन्द देती है सीसे बीरी करने पारवार मूत्रका हाना तथा हर समय पानुका यान कराना जात पान करानाल यस अपना कर हो हर होगीको बढा सुख मिलता है इसका सेवन रात्रिके समय करना चाहिये ३१ मोर्के अपना मिलते हैं। शरीरकी ओज धातु साफ होकर चैतन्य फुरती सेवनसे भयानक कुछ शान्त होकर रोगीको बढा सुख मिलता है इसका सेवन रात्रिके समय करना चाहिये ३१ मोर्के नोड:-हर प्रकारके रोगका इलांज किया जाता है उचित मूल्य पर दवा वी. पी. से मैत्री जाती है स्वीपत्र संगा कर देखें.

१ रहा स्रुगांकवटी । ५ वां रत नपुंसकसंजीवनतिला । ९ वां रत वातारिमद्नतैल ।
कोक । स्गांकवटिका हन्ति बहुमूत्र सुदाहणम् । मधुमेहं तमा कोक। एतत्तिल वरं हन्ति वातपित्तकभोद्भवान् । केव्यं साध्यान्विहे कोक। समानां संजपग्नां शिरोरोगे इतुमहे । समस्तान् वातवान

पत्ता—पं० भवानीवंकर वार्मा, जोशी, वैद्य अनाथोपकारक आयुर्वेदीय सौषघालय, मु० पो० नीमच केंप, (प्रांत मालवा) मध्य भारत.

The state of the s	AND RESIDENCE OF THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY OF PARTY.	क्यां
- C	विकादिवेदां तकपुरुष-विका, ज्योतिन, वंद,	Christian Contraction .
निर्णयसागर टाप्सानेक	बिसंद रेते ४ विषयीका वेद्या है "	क्रमजरी जिल्द २।
	मकरज्वेदीयरुद्राधाच्यायी ॥)	,, ,, ६४ वेजी कार्केजी जिल्द १)
पुस्तकोंका स्वीपन-	ग्राक्यवार्वेय-माव्यं दिवसंहिता—प्रेयांतमे	वेवीसहस्यनामाचिक " " "
	बाष्ट्रविद्वति, बाह्यवञ्च्यशिक्षा, प्रतिका, सर्वातु-	देवीखहसनाम 📆
	कमानुवाकस्त्र, पारस्कररयसस्त्र, मन्त्रवीख	द्वावेयसद्यनामः 🖰
वेद्यन्याः।	् ब्रोरे शनेक विषय हैं १०)	द्वर्गोक्तवच-णाधि-माधि हरण बस्तेते अनुभूत ।
कापसंबद्याक्षोक देवेसंबद्धम्यः 🤭	ग्रह्मयबुर्वेदसंहिता-इवट-महीग्रसाच्ययुता	देवी खरक —वैदेक व साम्बन्धः " "
स्वक्यांति—शैल्प्रेया (असेवी स्वोगन्दित) ॥)	बजुःशासीयविभिषपरिशिष्टगुता च १९)	नित्यनेसिव्यवस्था अया - (त्रवाक्तेश्तुवन
हच्च्छांति जारतेची प्रयोगपहित गु	भीएक	5.F. (11)
व्यविद्यास वेबेद्रीत्वांत्र " "	स्रीरस्क ग	पंचायसरदेवताओकी वृधक्षुणक
कानेतांत्रसंदिता '''	कर्मकाण्डं प्रत्याः ।	अद्येचरपाउनामायिः। । ।
मार्थेयसहिता—परिमापा-एवरिक्न-लाहाकार-		कृतालसुख्य-विषयसंख्या १०५
क्रोत-क्रिकान-मंत्रकेशिक्षिण है "	औरवंदेविक कर्मचढ्रित—(ग्रह्मजुर्वेदी) १)	प्रतिस्रांबल्बरियआस्त्रयोगः "
वेतरेयोपनियत् (अरबें)-आवक्यवीय ॥	क्रिकालोत्र	वयोगपारिवात का पीटराईएकारकाव्ह थे
वेतरेयहाडाया " "	क्रमित्रपूजनमयोग-(यनुदेदीय) भु	द्रवेशरक्क-सररायकार्टी—जततास्वय-
राणपत्यथर्वज्ञीर्थ	क्रुप्टार्क-१ मधिका, २ वीचित, ३ पविनी,	सही-अल्पेशिया (पार्विधिय) समंत्रक २॥)
प्रवातपंचत्यः	४ नौका, ५ मिताक्षरा और ६ सुप्रशा व्याख्या ३)	ज्ञास्त्रीसमुख्य-जारदेदी-दिवर १८८ ५
ganga	पदेशसहस्रताशाविकः	
केलां किया किर व्यवस्थिति यह हिरामकेवीय-	चरवाक्ष्रह 🤭	जबक्रमेखमुच्य्-विरव्यवेद्वीर "
साबाद याहिकोपमोची मंत्रीका सनोचा	क्योगाविक्य (बाजरेडिय) ॥)	अञ्चलम् सम्बद्धाः स्त्रा स
119	विकास्त्रेच्या—(ऋषिय) ")	रामाधीमधीद्वा-परमदाधीमसनन्द-
कार-(नमक्षमदात्मकव्यात) द्वरणकेदीय ॥)	विकालतंत्रया - हिरणतेतीय-शामसंदीय १)	चयप्रभोता, वेभिन्न धौर तांत्रिकप्रदोगसहित ° 11)
विकादिवेदवर्वगानि—विका, ज्योतिन, हर,	विकास्त्रीया-(पजिंदेप) ")	विद्युवादवानागिंह 🦪
विकंद, निरुक्त-पूर्वबृद्ध, स्वारपट्ट, बाह्यसायन-	शिष्ट्रपर्वः	विश्ववेष-पविवत्यमंद्यमंद्रयम्
क्षेत्रमञ्ज्याचेत्रम् स्टाप्ट, बाक्यायमण्याप	मुखीलरक्ती-रहाधर वृषदेश जिल्हा गु	क्षान्तिकार्यकाषीय—(यज्ञःशासीय) 3)
ैं शुर्मे, अहाच्याची (इत्रपाठ) इस ६ विक्वोंडे	Action of the second se	विषयरक्तामाविकः ॥)
	1 查到经验的证据	
BOSSE Foulkers	ि देवनेका दवा-विकेश, विक्रीयाला कावकारा वार्थ्य, ह	व पक्क पुलक भेगवाना होता

-				
सर्वपृता—यह अर्वाम	अत्यावस्थक पु	त्वक है.		इसस्
सर्यसहस्रतामाचलि.		P.	111	न्यार
सर्ववं वसामान्यपूजा.			Last of	ब्रह्मसूत्र
स्मातकसाङ्ग—गणवाते	रूजनादि मण्डप			ब्रह्मसू इ
प्रवेशान्त कर्मप्रयोग			3)	परिम
हिरण्यकेशीय (आपस	वंबीय) नित्या	वेचि-	91)	श्रीभग
	-इतिहासभन		The state of the s	₹ ₹
अध्यात्मरामायण सू			21	भगवद्र
जन्यात्मरामात्रण सू	049401	rate a	3111	अगवद्र
गरुडपुराण—मारोडा मूलरामायण			(11)	भगवड
स्लर्भावणः	भागा गरनेता	केटी सामा	5	अगवद
A 4				भगवर
राभपट्टाालयकः	· · · / fun	***	1)	भगवा
विवुरगीति—(सटिप	1*0 /.		91	सगवद
विनायकमाहातम्य.			y	सरावर
श्रीमद्भागवत सूल.			3)	् भगवा
सुंराकांड सूल			२॥)	योगव
	दान्तग्रन्थ			র্থ স
अद्येतिलिचि			ره ۱۰۰۰ ک	रसपः
अवैतसिद्धांतसारसं	प्रह्	***	lij	राजगी
अवंधूतगीता—सादी	जिल्द.	•••	5	छञ्जय
अवधूतगीता—रेशर्ग	। जिल्द.	•••	9)	वंहि
अनुभूतिमकाश —ि	वारण्यस्त्रासङ्ख		3)	लिल
अणाविशान्युपनिपद.		•••	3	छिति ।
ईवादिविशोत्त रशत	विविषद.		9e)	भाग
ईशादिदशोप निपद्भ				वेवांत
गोपासानन्दसामित्रन			"	सुबं
उपदेशसाहस्री—ग	यपयसपर्वोत्तर	भागातिक	T 3)	व्य
		-	1	

ब्रह्मसूत्रशाङ्गरभाष्य-भाष्यरवप्रमामामरी-		
न्यायानेणंयन्याख्यामहितः 🏌		24)
ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य—गृत्यमत्र	•••	4)
ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य—भामती-क्ल्यत्र		
परिमल-ध्यास्यासमलङ्गत	•••	34)
भीभगवद्गीता—व्याख्याष्ट्रक ८ मण्डित		
२ री आवृत्ति	***	94)
अगवद्गीता—श्रीधरीटीकामहित		3
अगवद्गीता—वुला पत्रा स्यूलाक्षर	***	9
भगवद्गीता—कपडेकी जिल्द		31)
अगवद्गीता—मत्यमाक्षर		W=j
भगवद्गीता—मध्यमाक्षर सादी.		11)
भगवद्गीता—बुक्ताईज सादी		n)
भगवदीता—ग्रेरी, कारेकी जिल्द	***	(11)
भगवद्गीता—सम्बेकी		1
भगवद्गीतानुक्रमणिकाः		=
योग वर्गासेष्ठ — वासिष्ठगद्दारामायणतात्य-		
र्थप्रकाराज्याख्याचित्रत दो भागमें	***	24)
रहापञ्चकं सोवारपञ्चकं सभाष्यं	***	ョ
राजनीता और राजनीतामाहातम्य	***	シ
रुप्रयोगचासिष्ठ—आत्ममुखङ्त, बार्वन		
चंद्रिकाटीकासहित बुक्साईज	•••	الا
लितासहस्रमाम मूल		II)
लितासहस्रनाम—भारकररायप्रणीतसीमास्य-		
भास्करभाष्य	***	311)
वेवांतरार-जातृति ५. तृविद्वरस्वतीयामेहत		
सुवोधिनी तथा रामवीधीवरचित विद्वन्यनोरंजनी		
व्याख्याओं सहित ।	***	3)
22 Almine amount	2073	- L

विवगीता—गणे	6	311)
शिवगीता — क्योनरहरिम्दकत बालानंदिनी		
ब्याख्यासदितः	100	11)
सांस्यतस्वकौमुदी चारबोधनीटीकापहित _	**	7
वैयकप्रन्थ।		

यूनानी द्रव्यगुणविज्ञान

वर्तमान समयमें एक विकित्सापद्यतिके सम्यक् ज्ञान धाम उरनेके उपरांत अन्य विकित्सायद्वतियोंके विकास मी विक्री ज्ञान संपादन करना और उससे लाभ उठाना आवश्यक है आयुर्वेदके समान यूनानी चिकित्साविज्ञानके आधारभूत तरन चनुमेहाभूत और दोपचनुष्ट्य हैं । इस विपापर असीन ह कोई सतंत्र प्रंथ हिन्दी भाषामें प्रकाशित न होनेके कारण इस प्रथमें उनका सविस्तर वर्णन दिया गया है । नया युवानी वैग्रकों दिये हुए इच्युगाडे सिदान्त, इच्योंडे विविध कार्योंडे निर्माणविधि, और कठिएय द्रव्योंके सम्यक् ज्ञानके दिने उनका उत्पतिस्थान, खरूप, रासायानेक संगठन, पुणकर्म, उपनीय, मात्रा आदि प्रव्यसुणविज्ञानके ज्ञानम्य सम्य विषयीका उस प्रन्थमें वर्णन किया गया है । हालमें डॉक्टर खेन अपना वैद्यक्शास्त्र सुसंपन करनेमें मन्न हैं । ऐसे जनानेमें इनीरे वैयोंको अपने पडोलियोंके वैयकका ज्ञान हो इस हेतुने बासी, फारसी और उर्दू भाषाके सिख २ बेक्सेंक स्पतिब अंथोंके सहायता केकर यह प्रंथ वैचरा व ठाउँत एकत्रोत्ते वेदारी वैपार विया होरेंछे असंत उपयुक्त हो गया है। ९०० इष्ट, विजन कीमत २२) दपये, डाक खर्च अल्हा.

चिठीपत्री सेजनेका पता-मिनेका. निर्णयसीगर आपकाना वस्त्रहे, एस पतेले प्रतंक संगवाना होगा.

कार्तिः

विकार

भीयन

वस

हास्य

बासर

खोग-

खोगं

श्रीम

श्रीम

हित

रा

केटीपनी मेजनेका पता—मेनेका, निर्मणकामा कापकामा बन्दी, इव पतेचे हुतार नेवाहाया होगा.

STREET CONTRACT

हिंदी अनुवादयुक्त पुस्तकें.	छन्दी-भाषाग्रन्थ । श्रुतबोध-वगरतमहाचार्यक्त माषाग्रका ॥)	अच्छी छपाई हमेशा चहियाँ घातुसे बनाये हुये उसदा टाइपोसेही होती है।		
. पुराण-भाषात्रन्य ।	ज्योतिष-माषाग्रन्थ ।	जावजी दादाजी टाईप फाउंड्री, निर्णयसागर प्रेस,		
कार्तिकमाहात्स्य—खेज ३) एकादशीमाहात्स्य ३)	पंचांगमंजूषा—माषाटीश्चेदाहरणसहिता ॥) मुकुन्द्पद्धति ॥)	२६-२८ कोलमाट स्ट्रीट, बम्बई नं. २		
श्रीमद्भागचत पकादशस्कंघ भाषा —	स्तोत्र-भाषाप्रन्थ ।	(स्थापना १८६४) टाईपः-यह फाउन्ड्री हिंदुस्तानमें सुंदर और बहोत		
सस्यनारायणकथा—भाषा छंदोबद्ध ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥	यसुनाष्टकद्धय—भाषाटीका) शिवमहिद्ध—पुष्पदन्तकृत. भाषाटीका —	समय तक काम देनेवाले टाईप बनानेके कार्यमें पुराने कालसे हमेशा आगेही बढ		
रामेश्वरभट्टन हिंदीभाषाटीकासहित ॥)	इनुमानचालिसा—पंकटमोचनखोत्रयुक 👂	रही है।		
वेदान्त-भाषाग्रन्थ।	हतुमानवाहुक	हमारे यहां हिंदी, इंग्लीश, मराठी, गुजराती, कानाडी, सैनी, हिन्नु टाईप और वॉर्डर्स		
यासगीता—ज्ञानप्रकाशिका नामकी भाषाटीका १) योगरसायन १)	भाषाकाच्य-ग्रन्थ ।	ऊंचे धातुओंसे (ॲलॉय्से) बनाय जाते		
योगंद्यासिष्ठ—दो प्रकरणका आषानुवाद ॥)	राज्ञायण मूल—गोलाभी तुल्खीदासकृत १६ पेत्री रफ कागत्र ९	हैं. और हरिकसमके इंलेक्ट्रो ब्लॉक्स्मी योग्य दामसे वनाये तथा वेचे जाते हैं।		
श्रीमञ्जूगचद्गीता—युवोधकौमुवीनायक भाषा- धैका सहित कपढेकी जिल्द)	व्यक्तिस ्य प्रियं ग्रह्मां । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	old that the test and the test of		
श्रीम-द्भुगवद्गीता—भगवद्गीतार्थप्रकाशिका नाम	वैद्यक-भाषाग्रन्थ । अर्थागसंग्रह-भाग १ वा ११	ित्ये और तुरंत भिजवानेके वास्ते हमेशा तैयार रहता है. ऑर्ट्स वगेरह ऑर्डर देनेके		
भाषाद्मिकासिहत 🤥	वैद्यचन्द्रोद्य—भाषानुवास्महित 9	वाद तुरत बनाकर भज दिया जात है.		
गद्य-पद्य-भाषाप्रन्थ।	इयारे भोजनकी समस्या १॥। द्रव्यगुणविज्ञान—पूर्वार्ष	इन भाषोंका मुद्रणमें तो हमारा वैशिष्ट्य		
हिलोपदेश-नारायणपंडितहरत. पंडितरामेश्वर- ादृह्यत भाषादीकासहित ३॥	,, ,, उत्तरार्घ पहला भाग ३॥ ,, ,, वृद्धरा भाग १९			
में के किया है किया के किया के किया है जा मुक्त के का मुक्त के मुल्त के मुक्त के मुल्त के मुल्त के मुल्त के मुल्त के मुल्त के मुक्त				

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Fundin

